■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 22 ■ अंक - 16 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 07-08-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 अशोक गहलोत ने डांगावास हत्याकांड में फैसले को बेहद चिंताजनक बताया

6 'धुरंधर' पर अखिलेश की नाराजगी के सियासी मायने

7 मॉडलिंग क्या होती है, ये भी नहीं जानती थीं : तनुश्री चक्रवर्ती

फर्स्ट टेक

बांग्लादेश में 20 अगस्त को होगा राष्ट्रपति चुनाव

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि देश में राष्ट्रपति चुनाव 20 अगस्त को कराया जाएगा। सत्ता से अपदस्थ की गईं प्रधानमंत्री शेख हसीना के लंबे समय से सहयोगी रहे मोहम्मद शहाबुद्दीन के अपना कार्यकाल पूरा होने से दो साल पहले ही 24 जुलाई को पद से इस्तीफा देने के बाद राष्ट्रपति चुनाव अपरिहार्य हो गया था। निर्वाचन आयोग सचिवालय के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद ने बृहस्पतिवार को बताया कि मतदान 20 अगस्त को अपराह्न 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक जातीय संसद के सत्र कक्ष में होगा। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के मुताबिक, अहमद ने संवाददाताओं को बताया कि राष्ट्रपति चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा संसद के अध्यक्ष हाफिज उद्दीन अहमद से बातचीत के बाद की गई। हाफिज उद्दीन अहमद संविधान के तहत 90 दिनों के लिए कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर काम कर रहे हैं।

नौका दुर्घटनाग्रस्त, श्रीलंकाई नौसेना ने 11 भारतीय मछुआरों को बचाया

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका के समुद्री क्षेत्र में एक नौका के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद बृहस्पतिवार को श्रीलंकाई नौसेना ने 11 भारतीय मछुआरों को सुरक्षित बचा लिया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह दुर्घटना श्रीलंका के उत्तरी तट के पास पाक जलडमरूमध्य में स्थित डेल्फ़्ट द्वीप (जिसे नेदुंथिवु भी कहा जाता है) की तटीय मूंगा चट्टान (कोस्टल रीफ) के पास हुई। श्रीलंका नौसेना के अनुसार, यह नौका बुधवार देर रात अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करके श्रीलंका के जलक्षेत्र में प्रवेश कर गई थी और कथित तौर पर चट्टान से टकराकर वहां फंस गई।

मेटा से लगातार दूसरे दिन पूछताछ, एल्गोरिद्म और भारतीय कानूनों के पालन पर सरकार सख्त

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा के अधिकारियों से बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन भारत सरकार के अधिकारियों ने पूछताछ की। इस दौरान इंस्टाग्राम के कंटेंट सुझाव संबंधी एल्गोरिद्म और भारतीय कानूनों के अनुपालन जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों का संचालन करने वाली कंपनी मेटा के अधिकारियों ने सरकार को आश्वस्त किया है कि वह डीपफेक, बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) और बॉट खातों से निपटने के लिए काम कर रही है।

तेजपाल दोषी करारा, 10 साल की सजा

उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को अनुचित बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने वर्ष 2013 के बलात्कार मामले में पत्रकार तरुण तेजपाल को दोषी ठहराते हुए बृहस्पतिवार को निचली अदालत के बरी करने के फैसले को अनुचित करार दिया। उच्च न्यायालय ने साथ ही कहा कि निचली अदालत इस धारणा का शिकार हो गई कि ऐसे मामलों में शिकायतकर्ता को ''आदर्श पीड़िता'' होना चाहिए और उसे एक निश्चित तरीके से व्यवहार करना चाहिए। न्यायमूर्ति नीला गोखले और न्यायमूर्ति अमित जमसांडेकर की पीठ ने 81 पृष्ठों के फैसले में बचाव पक्ष द्वारा पीड़िता को कठघरे में खड़ा करने और उसके निजी जीवन पर ध्यान केंद्रित करने के तरीके पर कड़ी आपत्ति जताई। पीठ ने कहा कि यह हैरान करने वाला है कि निचली अदालत ने जिरह के दौरान बचाव पक्ष को उसे ''परेशान और अपमानित'' करने दिया। उच्च न्यायालय ने तेजपाल को बलात्कार और यौन उत्पीड़न मामले में 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाते हुए कहा कि पीड़िता ने सत्य बयान दिए और अभियोजन पक्ष ने अपना मामला हर तरह के ''संदेह से परे'' साबित किया।

झारखंड परीक्षा आंदोलन 13वें दिन भी जारी

रांची/भाषा। झारखंड में भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों और नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों का प्रदर्शन बृहस्पतिवार को 13वें दिन में प्रवेश कर गया और इस दौरान छह प्रदर्शनकारी अनशन पर हैं। वहीं आंदोलन कर रहे छात्रों ने सरकार के साथ बातचीत करके गतिरोध दूर करने के लिए 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गठित किया। प्रदर्शन की गूंज बृहस्पतिवार को राज्य विधानसभा तक पहुंची, जहां मानसून सत्र के पहले दिन विपक्षी विधायकों ने परिसर में नारेबाजी करके छात्रों की मांगों का समर्थन किया। यह प्रदर्शन 25 जुलाई को यहां जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 'जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच' के बैनर तले शुरू हुआ था और हाल के वर्षों में राज्य के सबसे बड़े छात्र आंदोलनों में से एक बन गया है। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच के एक पदाधिकारी ने कहा, सरकार की ओर से बातचीत के प्रस्ताव के जवाब में हमने 11 सदस्यीय एक प्रतिनिधिमंडल गठित किया है, जिसमें आठ छात्र, दो विशेषज्ञ और एक अधिवक्ता शामिल हैं। सरकार के साथ बातचीत का फैसला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बुधवार को दिए गए बयान के एक दिन बाद लिया गया।

विपक्ष संसद नहीं चलने दे रहा

चर्चा के लिए उपलब्ध हैं प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह : किरेन रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

> विपक्ष सदन का कामकाज रोक रहा है, जबकि आरोप यह लगा रहा है कि सरकार बहस से बच रही है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सुबह से ही संसद में मौजूद रहते हैं और शाम को ही जाते हैं।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को विपक्ष पर जानबूझकर संसद का कामकाज नहीं चलने देने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पूरे दिन संसद में मौजूद रहते हैं और चर्चा के लिए उपलब्ध रहते हैं। रीजीजू ने कहा कि संसद में गतिरोध के बावजूद विधायी कामकाज जारी है और विधेयक पारित किए जा रहे हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के बारे में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही अवरुद्ध बनी हुई है।

संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए रीजीजू ने कहा कि विपक्ष सदन का कामकाज रोक रहा है, जबकि आरोप यह लगा रहा है कि सरकार बहस से बच रही है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सुबह से ही संसद में मौजूद रहते हैं और शाम को ही जाते हैं।य्स्रल

विपक्ष ही सदन का कामकाज नहीं चलने दे रहा है और बाहर नारे लगा रहा है। यह सही नहीं है। रीजीजू ने कहा कि सरकार ने सदन में कामकाज करने और विधेयक पारित कराने का काम जारी रखा है, खासकर राज्यसभा में, जहां विपक्ष के सदस्यों के विरोध के बावजूद चर्चा हुई है।

उन्होंने कहा, ''हम विधेयक पारित कर रहे हैं और सदन का कामकाज चला रहे हैं। राज्यसभा में उचित चर्चा के बाद विधेयक पारित किए जा रहे हैं। कांग्रेस और उसके एक-दो सहयोगी दल भले ही सदन से वॉकआउट कर रहे हों या हंगामा कर रहे हों, लेकिन सदस्य चर्चा में हिस्सा ले रहे हैं और अपनी राय रख रहे हैं।'' संसदीय कार्य मंत्री ने दावा किया कि लगातार हो रहे व्यवधान से सरकार के बजाय कांग्रेस को ज्यादा नुकसान हो रहा है, खासकर उसके पहली बार सांसद बने नेताओं को संसद में बोलने का मौका नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक को रोकने के लिए पहले ही 'क्रांतिकारी' कदम उठाए हैं और विपक्ष इसी मुद्दे को लेकर बार-बार विरोध-प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा, ''यह मुद्दा खत्म हो चुका है। देश आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक पर क्रांतिकारी फैसले लिए हैं।

नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी को किया फोन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बृहस्पतिवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फोन किया और दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रमों पर बातचीत की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-इजराइल विशेष रणनीतिक साझेदारी में हो रही लगातार प्रगति की समीक्षा की तथा दोनों देशों के पारस्परिक लाभ के लिए विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और प्रगाढ़ करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बयान में कहा गया, ''प्रधानमंत्री नेतन्याहू और प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में हाल में हुए घटनाक्रमों पर बातचीत की। दोनों नेता संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए।'' पश्चिम एशिया में संघर्ष बिना किसी स्थायी समाधान के पांच महीने से अधिक समय से जारी है।

ईरान ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह ओमान के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य पर एक समझौते का मसौदा तैयार करने के अंतिम चरण में है, जबकि लेबनान में इजराइल के दो सैनिक मारे गए हैं। यह जलडमरूमध्य वैश्विक पोत परिवहन और ऊर्जा आपूर्ति के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। फरवरी में ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों से शुरू हुए संघर्ष से पहले, दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल और प्राकृतिक गैस फारस की खाड़ी के मुहाने पर स्थित इस जलमार्ग से होकर गुजरता था।

सरकार ने संवेदनशील ऑनलाइन सामग्री हटाने की समय-सीमा घटाकर दो घंटे की

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोशल मीडिया मंचों के लिए संवेदनशील मामलों में ऑनलाइन सामग्री हटाने की समय-सीमा 24 घंटे से घटाकर दो घंटे कर दी है। बृहस्पतिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, इस साल 10 फरवरी को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियम, 2021 में संशोधन किए गए थे ताकि कृत्रिम रूप से तैयार जानकारी जैसे डीपफेक और एआई-जनित सामग्री से होने वाले नुकसान से निपटने के लिए नियामकीय ढांचे को मजबूत किया जा सके। बयान में कहा गया, इसके अनुपालन के लिए समय-सीमा को और सख्त किया गया है। वैध कारणों के साथ सरकार या अदालत के आदेश मिलने पर अवैध सामग्री हटाने की समय-सीमा 36 घंटे से घटाकर तीन घंटे कर दी गई है। वहीं शिकायत निवारण की समय-सीमा (अश्लीलता एवं प्रतिरूपण जैसे विशेष मामले) 72 घंटे से घटाकर 36 घंटे और 24 घंटे से घटाकर दो घंटे कर दी गई है। आईटी नियमों के तहत 50 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं वाले प्रमुख सोशल मीडिया मंचों के लिए यह अनिवार्य किया गया है कि वे उचित तकनीकी उपाय, जैसे स्वचालित उपकरण या अन्य व्यवस्था लागू करें ताकि बलात्कार और बाल यौन शोषण से संबंधित या पहले हटाई जा चुकी समान सामग्री की पहचान सक्रिय रूप से की जा सके।

'गोबरधन' के लिए 23,731 करोड़ रुपए की मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के उत्पादन में तेजी लाने के लिए बृहस्पतिवार को 23,731 करोड़ रुपये की एक राष्ट्रीय एकीकृत योजना को मंजूरी दी।

यह योजना आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और स्वच्छ ऊर्जा बदलाव को मजबूत करने के लिए कृषि एवं शहरी कचरे के उपयोग पर आधारित है। सरकार ने एक बयान में कहा कि 'गोबरधन' (जैविक संसाधनों से धन सृजन) योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2035-36 के बीच लागू की जाएगी।

इसका लक्ष्य सुनिश्चित खरीद, विनियमित मूल्य, पूंजी सब्सिडी, पाइपलाइन अवसंरचना और वित्त तक आसान पहुंच के जरिये घरेलू सीबीजी उत्पादन को लगभग दस गुना बढ़ाना है।

सूर्यास्त	सूर्योदय
07-07-2026	08-08-2026
6:45 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
78,581.00	24,624.65
(+152.05)	(+9.75)

सोना	चांदी
15,832 रु.	231,439 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ये जो पब्लिक है

अब आत्म मुग्धता प्रवंचना का,
कैसा है यह अजब दौर।
खुद को सब समझे साहुकार,
दूजों को कहते चोर-चोर।
वादे इनके तो हैं सपने,
उनकी बातें हैं सिर्फ शोर।
सच तो होता सूरज जैसा,
जनता करती है सदा गौर।।

संवाद का एक वैध तरीका है विरोध प्रदर्शन : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध तरीका है, लेकिन इसका मकसद विभाजन पैदा करने के बजाय आम सहमति बनाना होना चाहिए।

भागवत ने मुंबई में 'इंडियाज़ इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशन्स' (आईआईएमयूएन) के 15वें वर्षगांठ कार्यक्रम में में 'जेन-जी' और 'जेन अल्फा' के लगभग 2,000 सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा, ''विरोध प्रदर्शन भी बातचीत का एक तरीका है। लोकतंत्र में, विरोध प्रदर्शन आम सहमति बनाने का एक जरिया है। अलग-अलग विचार एक साथ आते हैं और चर्चा के बाद आम सहमति बनती है।'' उन्होंने कहा, ''अगर विभिन्न कारणों से बातचीत के जरिए

चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया जाता, तो लोग आंदोलन का रास्ता अपना सकते हैं। लेकिन इन सबका मकसद आम सहमति बनाना है, न कि विभाजन पैदा करना। जेन-जी की शिकायतें जायज़ हैं और मुझे उनकी ईमानदारी पर भरोसा है।''

भागवत के इस संवाद को आरएसएस की ओर से 'जेन-जी' और 'जेन अल्फा' तक पहुंचने की सबसे अहम कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। यह कोशिश कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के उस विरोध-प्रदर्शन के बाद हो रही है, जो नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर हुआ था तथा उसके फलस्वरूप केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफ़ा देना पड़ा था।

भागवत ने कहा कि भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर जताई जा रही चिंताएं जायज हैं। उन्होंने कहा कि संवाद हमेशा पहला कदम होना चाहिए। भागवत ने कहा, ''बातचीत होनी चाहिए। अगर बातचीत से काम न बने तो आगे क्या किया जाए, इस पर बाद में विचार किया जा सकता है।'' सरसंघचालक ने कहा कि जेन-जी अपनापन और सम्मान के साथ-साथ 'तार्किक जवाब' भी चाहता है, जबकि पिछली पीढ़ियां बिना सवाल किए बड़ों की बात मान लेती थीं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर पाबंदी लगाना इसके नुकसानदेह असर का समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि समाज को आत्म-अनुशासन विकसित करना चाहिए और ऑनलाइन किसी भी बात पर विश्वास करने से पहले विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी की पुष्टि करनी चाहिए। भागवत ने कहा कि जब तक लोगों का नज़रिया नहीं बदलेगा, तब तक सिर्फ़ नियम-कानून काम नहीं आएंगे।

आत्मज्ञान से वंचित रहते हैं अभिमानी और अभिमान नहीं करते कभी ज्ञानी : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद्। स्थानीय महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ, फीलखाना के तत्वावधान में श्रोताओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि घमंड किसी का भी हो, एक न एक दिन टूट जाता है। बड़े बड़े शहंशाह दुनिया में आए और चले गए, किसी का नामोनिशां नहीं बचा। अहंकार की सदैव दुर्गति ही होती है। जो मनुष्य अभिमान में रचे-पचे रहते हैं, उन्हें बहुत पछताना पड़ता है। मनोविज्ञान कहता है कि अभिमानी से लोग बहुत दूर रहते हैं, सभी धर्मशास्त्रों ने भी अहंकार को बदतर माना है। मनुष्य की भलाई इसी में है कि जीवन अभिमान पर नहीं, बल्कि विनय पर आधारित हो। उन्होंने कहा कि ज्ञान और अभिमान दो विपरीत रास्ते हैं। अभिमानी हमेशा आत्मज्ञान से वंचित रह जाता है और ज्ञानी कभी अभिमान नहीं करते। ज्ञान सदैव विनय से प्रकट होता है।जीवन में जितना विनय आता है, उतना ज्ञान का उद्भव और विकास होता चला जाता है। ज्ञान मनुष्य को परिपक्व, गंभीर, शालीन बनाते हुए पूर्णता की ओर ले जाता है। अभिमान तो जीवन के अधूरेपन का परिचायक है।इस मौके पर पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। गणिवर्य पद्मविमलसागरजी ने शत्रुंजय तपाराधना के सभी साधकों के लिए स्तोत्र व मंत्रपाठ कर जल अभिमंत्रित किया।

आत्मज्ञान के खजाने की चाबी है शांत सुधारस ग्रंथ : मुनिश्री मोक्षानंदविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गोड़वाड़ वल्लभ चातुर्मासआयोजक समिति द्वारा आयोजित गच्छाधिपति आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी के गुरु कृपा चातुर्मास के अंतर्गत गुरुवार को आचार्यश्री को शांत सुधारस ग्रंथ विधिपूर्वक प्रदान किया गया। मुनिश्री मोक्षानंदविजयजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जिस ग्रंथ को आधार बनाकर प्रवचन होते हैं उसे वासक्षेप से पांच ज्ञान पूजा तथा अष्ट प्रकारी पूजा के पश्चात् गुरु के करकमलों में समर्पित किया जाता है। इस बार गुरु कृपा चातुर्मास में शांत सुधारस ग्रंथ के आधार पर प्रवचन श्रृंखला का शुभारंभ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 1%वीं शताब्दी में इस ग्रंथ की रचना महोपाध्यायश्री विनयविजयजी ने की थी। संसार में चारों तरफ अशांति और दुःख का दावानल सुलग रहा है ऐसे में गुरु ने शांतरस से भरपूर अमृत कलश के समान इस ग्रंथ की रचना करके जगत पर उपकार किया है। आत्मज्ञान के खजाने की चाबी शांत सुधारस ग्रंथ है।

इस ग्रंथ का परायण जन्मों-जन्मों के संताप और पीड़ा को नष्ट कर देने वाला है। शुभ भावनाओं का रसायन आत्मा को भव एवं भाव रोगों से बचाने में पूर्णतया सक्षम है। भव्य प्राणियों को भव सागर से पार उतरने के लिए शुभ भाव रूपी नाव में सवार होना जरूरी है। दोपहर के कार्यक्रमों की श्रृंखला में अष्टप्रकारी पूजा की भाव संवेदना करवाई गई।

भगवान महावीर ने प्रमाद नहीं करने का संदेश दिया : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के स्थानक भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने गुरुवार को सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ गलत और भ्रांत धारणा मन में बैठ जाती है, उसे गुमराह हुआ व्यक्ति दिशाहीन होकर भटक जाता है। उन्होंने कहा कि जो सत्य और असत्य का निर्णय नहीं कर पता है वह पूरा जीवन उस वायरस के शिकार से खोखला हो जाता है, वर्तमान भी खोता है और भविष्य को भी बर्बाद करता है। संतश्री ने कहा कि समय से पहले और भाग्य से ज्यादा कभी किसी को नहीं मिलता है, ऐसा सोचकर पुरुष पुरुषार्थहीन हो जाता है। जैन संत ने कहा कि वर्तमान कर्म द्वारा व्यक्ति अपने भविष्य का निर्माण कर सकता है, जो भाग्य के भरोसे सोता है वह महापुरुषों के सिद्धांत के साथ खिलवाड़ कर रहा है। अंत में सक्षममुनिजी व अक्षतमुनिजी ने मंगलाचरण किया। घनश्याममुनिजी व कौशलमुनिजी ने अपने विचार व्यक्त किए।

जगत की आत्मा है शिव : पंडित पवन शर्मा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित ईटा अपार्टमेंट में सखी मंडल द्वारा श्रवण मास में आयोजित तीन दिवसीय शिव पार्वती विवाह कथा के प्रथम दिन शिव-शिवा प्राकट्य, सृष्टि वर्णन एवं शिव सती विवाह का वर्णन किया।

कथा वाचक पंडित पवन शर्मा ने कहा कि जगत की आत्मा शिव हैं। पति-पत्नी में कपट एवं भेद नहीं होना चाहिए। शिव और सती में बहुत प्रेम था। दोनों का दाम्पत्य जीवन सुखमय था। कथा में बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित थे।

केकेआर 1.2 अरब यूरो के मूल्यांकन पर मेडिकवर इंडिया का अधिग्रहण करेगी

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक निवेश कंपनी केकेआर अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा और जांच सेवा प्रदाता कंपनी मेडिकवर एबी के भारतीय अस्पतालों के परिचालन का 1.2 अरब यूरो के मूल्यांकन पर अधिग्रहण करेगी। हालांकि केकेआर ने इस सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया है, लेकिन मेडिकवर इंडिया के अल्पांश शेयरधारकों को परामर्श दे रही कानूनी फर्म ट्राइलीगल ने कहा कि इस सौदे में मेडिकवर इंडिया का मूल्यांकन 1.2 अरब यूरो आंका गया है।

केकेआर ने एक बयान में कहा कि वर्ष 2017 में स्थापित मेडिकवर इंडिया दक्षिण एवं पश्चिम भारत में 24 अस्पतालों और लगभग 4,800 बिस्तरों वाले अस्पतालों के नेटवर्क का संचालन करती है।

आरबीआई ने टाटा संस को उच्च श्रेणी वाली एनबीएफसी की सूची में बरकरार रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने बृहस्पतिवार को टाटा संस को उच्च श्रेणी की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की सूची में बरकरार रखा। केंद्रीय बैंक ने कहा कि होल्डिंग कंपनी को सूची में शामिल किए जाने से उसके एनबीएफसी पंजीकरण को लौटाने के लंबित आवेदन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। आरबीआई ने आकार आधारित विनियमन रूपरेखा के तहत उच्च श्रेणी की एनबीएफसी की नवीनतम सूची जारी की। इसमें 17 कंपनियां शामिल हैं। इस व्यवस्था के तहत प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण गैर-बैंकिंग ऋणदाताओं और मुख्य निवेश कंपनियों (सीआईसी) पर अधिक कड़े नियामकीय प्रावधान लागू होते हैं।

आरबीआई ने कहा, ''सूची में टाटा संस प्राइवेट लि. को शामिल किया जाना उसके पंजीकरण रद्द करने के आवेदन के परिणाम को प्रभावित नहीं करेगा। फिलहाल इस आवेदन की जांच की जा रही है।'' चार सौर अरब डॉलर के टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस को पहली बार 2022 में उच्च श्रेणी की एनबीएफसी के रूप में वर्गीकृत किया गया था। इस वर्गीकरण के तहत कंपनी को कड़े नियामकीय नियमों का पालन करना पड़ता है। इसमें भविष्य में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना तथा सख्त संचालन व्यवस्था, पूंजी और खुलासा आवश्यकताओं को पूरा करना शामिल है। यह व्यवस्था तबतक रहती है जब तक कि वह अपनी संरचना में बदलाव नहीं करती। इसके बाद टाटा संस ने वित्तीय कारोबार में अपनी हिस्सेदारी कम करने और समूह के कुछ हिस्सों के पुनर्गठन के लिए कदम उठाए। कंपनी ने आरबीआई के वर्गीकरण से छूट देने का अनुरोध भी किया था। कंपनी ने उधारी कम करने और अपने वित्तीय सेवा कारोबार के पुनर्गठन के लिए भी कदम उठाए हैं, जिसमें वित्तीय परिचालन को अपनी मुख्य निवेश गतिविधियों से अलग करना शामिल है।

डाक विभाग श्री पद्मनाभ मंदिर पर विशेष लिफाफा जारी करेगा

तिरुवनंतपुरम/भाषा। डाक विभाग 10 अगस्त को तिरुवनंतपुरम के श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर को समर्पित एक स्थायी चित्रात्मक मुहर और एक प्रीमियम विशेष लिफाफा जारी करेगा। विभाग ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि इस विशेष स्थायी मुहर का मकसद मंदिर की विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना और उसे बढ़ावा देना है। उसने कहा कि ये यादगार लिफाफा और मुहर भारत के प्रमुख मंदिरों में से एक से जुड़े डाक-टिकट संग्रहकर्ताओं, श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए यादगार चीज़ें होंगी। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर 10 अगस्त को यहां एक कार्यक्रम में ये यादगार डाक-सामग्री जारी करेंगे। बयान में कहा गया है कि इस कार्यक्रम के दौरान केरल के राजकीय पशु और राजकीय पक्षी वाले पोस्टकार्ड भी जारी किए जाएंगे। श्री महा विष्णु को समर्पित यह मंदिर उनके 'अनंतशयन' रूप के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें भगवान विष्णु को शेषनाग पर लेटे हुए दिखाया गया है। यह तीर्थस्थल अपनी धार्मिक महत्ता, अनोखी वास्तुकला और प्राचीन परंपराओं की वजह से सदियों से श्रद्धालुओं, इतिहासकारों और यात्रियों को अपनी ओर आकर्षित करता रहा है। मंदिर के तहखानों में बेशकीमती खजाने मिलने के बाद इसे दुनिया भर में पहचान मिली और अक्सर इसे दुनिया के सबसे समृद्ध मंदिरों में से एक माना जाता है।

प्रशांत किशोर ने मुंबई में सुनेत्रा पवार से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बिहार में हाल में संपन्न विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गढ़ माने जाने वाले बांकीपुर में जीत दर्ज कर चौंकाने वाले जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार से मुलाकात की। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के पदाधिकारी संजय खोडके ने बताया कि राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने किशोर ने राकांपा प्रमुख सुनेत्रा पवार से दक्षिण मुंबई स्थित उनके सरकारी आवास 'देवगिरी' में मुलाकात की।

राकांपा नेता ने किशोर और पवार के बीच हुई बातचीत के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत कई नेताओं की चुनावी जीत की रणनीति तैयार कर चुके किशोर की इस साल जनवरी में बारामती में एक विमान दुर्घटना में सुनेत्रा पवार के पति और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद उनसे यह दूसरी मुलाकात है। कुछ महीने पहले हुई पहली मुलाकात के बाद उनके बेटे और राकांपा नेता पार्थ पवार ने कहा था कि किशोर उनके परिवार के परिचित हैं। बांकीपुर सीट पर उपचुनाव मौजूदा विधायक नितिन नवीन के राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद सीट खाली करने के कारण हुआ था। भाजपा ने इस सीट से युवा नेता नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार बनाया था, जिन्हें किशोर ने हराया।

मुझे राजनीति का शिकार बनाया गया : तेजपाल

पणजी/भाषा। 'तहलका' पत्रिका के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल ने बृहस्पतिवार को बंबई उच्च न्यायालय द्वारा 2013 के दुष्कर्म मामले में 10 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद कहा कि वह राजनीति का शिकार है और उसे गत 13 सालों से उसकी पत्रकारिता की वजह से निशाना बनाया जा रहा है।

तेजपाल ने यह भी आरोप लगाया कि उसका करियर और उसकी किताबों की छपाई भी रोक दी गई है। उसने फैसला आने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि वह बंबई उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगा और साथ ही भरोसा जताया कि अंतत: सच सामने आएगा। तेजपाल ने कहा, हम इस फैसले के खिलाफ अपील करेंगे। हमें लगता है कि यह आदेश गलत है। हम इस आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में जाएंगे।'' तेजपाल ने आरोप लगाया कि उसे तहलका' के लिए गए काम की वजह से निशाना बनाया गया है। उसने कहा, ''हम निश्चित रूप से उच्चतम न्यायालय जाएंगे। हमें कोई शक नहीं है कि पिछले 13 सालों से 'तहलका' में मेरे काम की वजह से ही वे मेरे पीछे पड़े हैं।

अतीक अहमद के बेटे की झांसी में सड़क हादसे में मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झांसी/भाषा। माफिया एवं पूर्व सांसद अतीक अहमद के बेटे अबान अहमद समेत दो लोगों की बृहस्पतिवार को झांसी जिले में एक सड़क हादसे में मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस घटना में कार सवार तीन अन्य लोग घायल हो गये, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (देहात) अरविंद कुमार ने बताया कि पूर्व सांसद अतीक अहमद का बेटा अबान अहमद अपने कुछ साथियों के साथ झांसी जेल में बंद अपने भाइयों से मिलने जा रहा था, तभी रास्ते में पुंछ थाना क्षेत्र में झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर उसकी तेज गति से गुजर रही कार (एसयूवी) बेकाबू होकर एक डिवाइडर से टकराकर पलट गयी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने संवाददाताओं को बताया कि इस हादसे की सूचना पुलिस को सुबह साढ़े 10 बजे मिली। उन्होंने कहा कि इस हादसे में अबान अहमद (21) और उसके दोस्त सोनू (25) की मौत हो गई। मूर्ति ने बताया कि हादसे में घायल कार सवार आजम, मोहम्मद जावेद और उमर को झांसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि वे सभी प्रयागराज के ही रहने वाले हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिये भिजवाकर मामले की जांच शुरू कर दी गयी है। मूर्ति ने कहा कि शुरुआती जांच से पता चला है कि कार की गति बहुत तेज थी। उन्होंने कहा, घायल यात्रियों में से एक ने हमें बताया कि गाड़ी बहुत तेज गति से गुजर रही थी और डिवाइडर से टकराने से पहले बेकाबू हो गई थी।

दुर्घटनाग्रस्त हुई कार में सवार रहे अबान के घायल दोस्त मोहम्मद उमर ने संवाददाताओं को बताया कि वे अबान के भाई से मिलने झांसी जेल जा रहे थे तभी कार बेकाबू हो गयी और यह हादसा हो गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हादसे के कारणों का पता लगाने के लिये राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जाएगी।

माना जा रहा है कि अबान के शव को प्रयागराज के कसारी मसारी स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा, जहां उसके परिवार के दूसरे सदस्यों को भी दफनाया गया था।

सूत्रों के मुताबिक अबान अतीक अहमद के पांच बेटों में सबसे छोटा और अहजम का जुड़वां भाई था। साथ ही पांच भाइयों में से उमर और अली अभी उत्तर प्रदेश की अलग-अलग जेलों में बंद हैं।

अहमद का एक और बेटा असद अप्रैल 2023 में झांसी के पास पुलिस से हुई मुठभेड़ में मारा गया था। वह वर्ष 2005 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के विधायक राजू पाल की हत्या के मामले में मुख्य गवाह रहे उमेश पाल की हत्या के मामले में वांछित था। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की 15 अप्रैल 2023 को पत्रकार बनकर पहुंचे तीन लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना के समय पुलिस उन्हें मेडिकल जांच के लिए प्रयागराज के एक मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ले जा रही थी।

कॉजपा अगले महीने क्या 'बोलती पब्लिक' मुहिम शुरू करेगी : दीपके

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बृहस्पतिवार को कहा कि कॉजपा अगले महीने देशभर में लोगों से संवाद करने और उनकी समस्याओं को जानने के लिए क्या ''बोलती पब्लिक'' मुहिम शुरू करेगी। वह महाराष्ट्र में अपने गृहनगर छत्रपति संभाजीनगर में कॉजपा की कोर टीम' की बैठक खत्म होने के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कोर टीम बुधवार से ही दीपके के घर पर वार्ता कर रही थी।

दीपके ने कहा, ''इस क्या 'बोलती पब्लिक' मुहिम के दौरान हमें पता चलेगा कि देश के मौजूदा हालात के बारे में लोग क्या सोचते हैं और उन्हें किन मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है।'' केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को छात्रों के विरोध-प्रदर्शन की सबसे बड़ी कामयाबी बताते हुए दीपके ने कहा, पिछले 10-12 साल में इस सरकार ने लोगों के मन में जो डर पैदा किया था, वह अब खत्म हो गया है। उन्होंने कहा, ''अब लोग सड़कों पर उतरेंगे। आज उन्होंने एक व्यक्ति का इस्तीफा मांगा है। कल वे अन्य व्यक्तियों का भी इस्तीफा मांगेंगे।'' दीपके ने कहा, ''कॉजपा विकसित भारत के लिए बाबासाहेब अंबेडकर, महात्मा गांधी और पंडित (जवाहरलाल) नेहरू की दृष्टि के अनुसार काम करेगा।''

कर्नाटक ने कबानी नदी पर बैराकुप्पा पुल निर्माण के लिए दी मंजूरी : केरल के मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कर्नाटक सरकार ने केरल-कर्नाटक सीमा पर कबानी नदी पर लंबित बैराकुप्पा पुल के निर्माण के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी कर दिया है।

केरल के लोक निर्माण मंत्री पी ए बशीर ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मंत्री ने कहा कि उन्हें बेंगलुरु में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के साथ हुई चर्चा के बाद यह मंजूरी मिली।

बशीर ने कहा कि दशकों से लंबित इस परियोजना को कर्नाटक सरकार ने स्वीकृति दे दी है। प्रस्तावित अंतरराज्यीय पुल केरल के वायनाड जिले के पेरिक्कल्लूर को कर्नाटक के कोडागु जिले के बैराकुप्पा से जोड़ेगा। इससे दोनों राज्यों के बीच सड़क संपर्क का एक वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। मंत्री के अनुसार, इस पुल की आधारशिला 36 वर्ष पहले रखी गई थी। इसके बाद 15 मार्च, 2002 को तत्कालीन केंद्रीय पोत परिवहन, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की थी। उन्होंने बताया कि केरल की ओर संपर्क मार्ग का निर्माण पहले ही पूरा हो चुका है, जबकि परियोजना के पूरा होने के लिए अब कर्नाटक की ओर संपर्क मार्ग का निर्माण आवश्यक है।

बशीर ने कहा कि उन्होंने पहले कर्नाटक सरकार को पत्र लिखकर उसकी ओर संपर्क मार्ग के लिए भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय मंजूरियों की प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि ताजा एनओसी परियोजना के क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जरांगे ने जानबूझकर कुनबी प्रमाणपत्र रद्द किए जाने का दावा किया

बावनकुले ने आरोपों को गलत बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि महाराष्ट्र में राजनीतिक कारणों से कई जाति प्रमाणपत्र रद्द किए जा रहे हैं। वहीं, राज्य के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि इस तरह का हस्तक्षेप संभव नहीं है।

जरांगे ने मुंबई से लगभग 400 किलोमीटर दूर जालना जिले के अंतरवाली सराटी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार कई कुनबी (ओबीसी) प्रमाणपत्र रद्द करके मराठा आंदोलन को कमजोर करने की साजिश रच रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने पहले मराठा समुदाय के लोगों को कुनबी जाति प्रमाणपत्र जारी करने में सुविधा दी और बाद में एक सुनियोजित रणनीति के तहत उन्हें रद्द किया जाना सुनिश्चित किया। उनका दावा था कि इसका निशाना मराठा समुदाय के निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं। जरांगे ने यह भी आरोप लगाया कि मराठा आंदोलन का विरोध करने वाले लोग मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंच बना चुके हैं।

उन्होंने दावा किया कि राजस्व मंत्री बावनकुले ने अधिकारियों को प्रमाणपत्र रद्द करने के निर्देश दिए और इस प्रक्रिया से जुड़े आधिकारिक पत्राचार को मंजूरी दी। जरांगे लंबे समय से यह मांग करते रहे हैं कि पात्र मराठाओं को कुनबी के रूप में मान्यता दी जाए। कुनबी एक कृषक समुदाय है, जिसे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के तहत शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार समुदाय के खिलाफ कथित अन्यायपूर्ण कार्रवाई जारी रखती है तो मराठा समुदाय वर्ष 2029 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सबसे ''बड़ा बदला'' लेगा और कई विधायकों की हार सुनिश्चित कर सकता है।

हालांकि, बावनकुले ने कहा कि सरकार या उसके किसी मंत्री को जाति सत्यापन समिति के कामकाज में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि जाति प्रमाणपत्र को अमान्य घोषित करने वाली यह समिति अर्द्ध-न्यायिक निकाय है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, जाति सत्यापन समिति स्वतंत्र रूप से काम करती है। न तो सरकार और न ही किसी मंत्री को समिति को बुलाने या उसे निर्देश देने का अधिकार है। समिति दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर निर्णय लेती है।''

सम्मान

ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं के शॉट पुट 57 वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाली पैरा-एथलीट शिल्पा के. शैला का बेंगलूरु के कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान का एक दृश्य।

बसवराज होर्रट्टी कर्नाटक विधानपरिषद के सभापति पद से देंगे इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानपरिषद के सभापति बसवराज होर्रट्टी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके पद नहीं छोड़ने की स्थिति में सत्तारूढ़ कांग्रेस उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला कर चुकी है इसलिए वह अपने पद से त्यागपत्र दे देंगे। होर्रट्टी ने बुधवार देर रात मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात की थी और उन्हें हटाए जाने के कदम पर चर्चा की थी। आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और विधानपरिषद सदस्य बी.के. हरिप्रसाद ने भी उनसे मुलाकात की।

होर्रट्टी ने पत्रकारों से कहा, ऽऽसत्तारूढ़ पार्टी चाहती है कि मैं इस्तीफा दे दूं। मुख्यमंत्री ने मुझसे फ़ोन पर दो बार बात की। कल उन्होंने मुझे व्यक्तिगत मुलाकात के लिए बुलाया और बताया कि पार्टी आलाकमान ने उन्हें मुझसे इस्तीफा मांगने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि अगर मैंने इस्तीफा नहीं दिया, तो कांग्रेस मेरे खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लायेगी।'' उन्होंने कहा कि वह ऽसम्मानपूर्वक' इस्तीफ़ा देना चाहते हैं और उन्होंने 14 अगस्त को ऐसा करने का फ़ैसला किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पद छोड़ने से पहले वह सदन को घटनाक्रम के बारे में जानकारी देंगे।

उन्होंने कहा, ''देखते हैं सदन क्या कहता है।'' सभापति ने यह भी कहा कि वह इस घटनाक्रम से 'बहुत दुखी' हैं।

होर्रट्टी ने कहा कि सदन में कांग्रेस के पास बहुमत है और वह अविश्वास प्रस्ताव के ज़रिए आसानी से उन्हें पद से हटा सकती है, ऐसे में उन्होंने इतने सालों में जो सम्मान कमाया है, उसे बचाए रखने के लिए उन्होंने इस्तीफ़ा देने का फ़ैसला किया है। उन्होंने कहा, ''जब

यह राय हो कि मुझे अब इस पद पर नहीं रहना चाहिए, तो मैं इस पर बने नहीं रहना चाहता। मैं इस्तीफ़ा दे दूंगा।'' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने उन्हें बताया कि उन्हें हटाने का फ़ैसला पार्टी आलाकमान का है और वह व्यक्तिगत रूप से उनका बहुत सम्मान करते हैं। यह घटनाक्रम कांग्रेस आलाकमान द्वारा सोमवार को मुख्यमंत्री शिवकुमार को भेजे गए उस पत्र के बाद सामने आया है जिसमें सलीम अहमद के नाम को विधान परिषद के सभापति और उमाश्री के नाम को उपसभापति पद के लिए मंजूरी दी गई थी। इसी पत्र में सोमवार को शपथ लेने वाले मंत्रियों की सूची भी शामिल थी।

कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए जी. एस. पाटिल और उपाध्यक्ष पद के लिए ए. एस. पोन्नन्ना के नाम को भी मंजूरी दी है। होरट्टी ने कांग्रेस के कदम पर अपनी आपत्ति दोहराते हुए इसे अभूतपूर्व बताया। उन्होंने कहा कि विधानपरिषद के सभापति और विधानसभा के अध्यक्ष को चुनना सदन का अधिकार है, न कि किसी राजनीतिक पार्टी के आलकमान का। उन्होंने कहा, यह लोकतंत्र-विरोधी कदम है। मुझे दुख है।

होरट्टी ने मंगलवार को कहा था कि 1956 के बाद से किसी भी सभापति को इस्तीफा देने के लिए बाध्य नहीं किया गया और सभी ने अपना कार्यकाल पूरा किया है।

कर्नाटक भाजपा नेता प्रवीण नेत्तारू की 2022 में हुई हत्या का प्रमुख फरार आरोपी गिरफ्तार : एनआईए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रवीण नेत्तारू की 2022 में हुई हत्या के मामले में एक और प्रमुख फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान उमर फारूक एमआर के रूप में की गई है।

उन्होंने बताया कि विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान आरोपी को बुधवार को केरल के कोच्चि से पकड़ा गया। इसके साथ ही इस मामले में अब तक 25 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एनआईए ने एक बयान में कहा कि फरार फारूक के खिलाफ 'रेड कॉर्नर नोटिस' और गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी था। एजेंसी ने उसकी गिरफ्तारी में कारगर सूचना देने वाले को चार लाख रुपये का इनाम देने की भी घोषणा की थी। बयान के अनुसार, एनआईए ने हत्या की साजिश के सिलसिले में फारूक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोपपत्र दाखिल किया था। जांच में सामने आया कि वह साजिश रचने के लिए प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सुल्लिया शहर स्थित कार्यालय में हुई बैठक में अन्य आरोपियों के साथ शामिल हुआ था। जांच एजेंसी ने कहा कि फारूक ने निशाना बनाए जाने वाले लोगों की पहचान करने और वारदात से पहले बेल्लारे गांव में टोह लेने के लिए एक सह-आरोपी को अपनी मोटरसाइकिल देने पर सहमति जताई थी।

उस पर अन्य सह-आरोपियों के साथ मिलकर मामले के उस गवाह की हत्या का प्रयास करने का भी आरोप है जिसे सुरक्षा दी गई थी। एनआईए ने दो अन्य फरार आरोपियों अब्दुल नासिर पी. उर्फ नासिर और नौशाद को इस साल जुलाई में गिरफ्तार किया था। आंध्र प्रदेश पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर चलाए गए समन्वित अभियान में नासिर को केरल के कोच्चि और नौशाद को तमिलनाडु के होसुर से पकड़ा गया था। दक्षिण कन्नड़ जिले के भाजपा नेता नेत्तारू की 26 जुलाई 2022 को धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी गई थी।

उनकी हत्या के बाद व्यापक पैमाने पर पैदा हुए आक्रोश के बीच एनआईए ने मामले की जांच अपने हाथ में ले ली थी। एनआईए की जांच में सामने आया कि यह हत्या प्रतिबंधित पीएफआई के सदस्यों द्वारा रची गई एक बड़ी आपराधिक साजिश का हिस्सा थी। एनआईए ने कहा कि मामले में दो आरोपी अब भी फरार हैं। उनका पता लगाने, उन्हें गिरफ्तार करने और जांच को उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने के प्रयास जारी हैं।

अत्यधिक सटीक विकिरण प्रणाली से कैंसर रोगियों का इलाज शुरू

एचसीजी ने एलेक्टा यूनिटी एमआर लिनैक मशीन से किया इलाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हेल्थकेयर ग्लोबल एंटरप्राइजेज(एचसीजी)ने कर्नाटक में पहली बार एलेक्टा यूनिटी एमआर-लिनैक मशीन का उपयोग करके कैंसर रोगियों का इलाज शुरू किया है। इस मशीन के साथ एचसीजी ने कर्नाटक और आसपास के क्षेत्रों के रोगियों के लिए एमआर-गाइडेड एडेप्टिव रेडिएशन थेरेपी की सुविधा उपलब्ध करा दी है, जिससे विकिरण ऑन्कोलॉजी के सबसे उन्नत उपचारों में से एक है। यूनिटी एक उच्च-क्षेत्रीय 1.5 टेस्ला एमआरआई स्कैनर को लीनियर एक्सेलेरेटर के साथ जोड़ती है, जिससे चिकित्सक उपचार के दौरान ट्यूमर और आसपास की शारीरिक संरचना को वास्तविक समय में देख सकते हैं। इससे देखभाल टीम को उपचार सत्रों के दौरान होने वाले शारीरिक परिवर्तनों के अनुसार उपचार योजना को ऑनलाइन अनुकूलित करने की सुविधा मिलती है, जिससे आसपास के स्वस्थ ऊतकों की रक्षा करते हुए अत्यधिक सटीक विकिरण प्रदान करने में मदद मिलती है। ऐसी तकनीक की आवश्यकता वास्तव में है।

हेल्थकेयर ग्लोबल एंटरप्राइजेज के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. बी.एस. अजैकुमार ने कहा, प्रेसिजन मेडिसिन के युग में, एचसीजी को यूनिटी एमआर-लिनैक की स्थापना के साथ एक और उपलब्धि हासिल करने पर गर्व है, जहां सटीकता को लगभग पूर्णता के स्तर तक ले जाया गया है। इस अनुकूली चिकित्सा से, उपचार के लिए योग्य रोगियों को ट्यूमर पर सीधे केंद्रित विकिरण से अत्यधिक लाभ होगा, जिससे आसपास के स्वस्थ ऊतकों पर न्यूनतम या बिल्कुल भी विकिरण का प्रभाव नहीं पड़ेगा। कम्पनी के कार्यकारी निदेशक और सीईओ डॉ. मनीष मट्टू ने कहा, कर्नाटक में पहली एलेक्टा यूनिटी एमआर-लिनैक मशीन से मरीजों का इलाज शुरू होने के साथ, एचसीजी विकिरण चिकित्सा के क्षेत्र में एक नया आयाम स्थापित कर रहा है। रीयल-टाइम इमेजिंग और अनुकूलित उपचार से स्वस्थ ऊतकों की सुरक्षा करते हुए अत्यधिक सटीक और व्यक्तिगत देखभाल संभव हो पाती है।

एलेक्टा के टाइमिया प्रमुख फेरस अल हसन ने कहा कि एलेक्टा का यूनिटी एमआर-लिनैक यह सुनिश्चित करता है कि चिकित्सक ट्यूमर के लक्ष्य को सटीक रूप से भेद सकें और स्वस्थ ऊतकों को सुरक्षित रख सकें। यह एमआर-गाइडेड उपचार, उपचार की सटीकता में सुधार लाने, बेहतर रोगी परिणामों को सुनिश्चित करने और विश्व स्तरीय कैंसर देखभाल को अधिक से अधिक रोगियों की पहुंच में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

कांग्रेस विधायक यशवंतरायगौड़ा पाटिल ने इस्तीफा वापस लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयपुरा। कांग्रेस विधायक यशवंतरायगौड़ा पाटिल ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ नेताओं और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की अपील के बाद कर्नाटक विधानसभा से अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए कैबिनेट विस्तार के दौरान किए गए वादे के पूरे न होने से उन्हें दुख तो हुआ, लेकिन वह जीवन भर कांग्रेस के साथ बने रहेंगे और पार्टी नेतृत्व से 'लॉबिंग' (पार्टी नेतृत्व से आग्रह, दबाव या संपर्क करके) करके कभी भी कोई राजनीतिक पद नहीं मांगेंगे। इंडी के विधायक ने तीन अगस्त को विधानसभा सचिव को अपना इस्तीफा सौंपा था।

पत्रकारों से बातचीत में पाटिल ने कहा कि समर्थकों की भावनात्मक अपील और कांग्रेस नेतृत्व के साथ हुई बातचीत के बाद उन्होंने अपना फैसला बदलने और जनता के प्रतिनिधि के रूप में काम जारी रखने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा, मैंने अपना फैसला बदल दिया है और विधायक के रूप में बने रहने का निर्णय किया है। लोगों ने मुझे यह पद दिया है और मुझे उनके साथ खड़ा रहना चाहिए। पाटिल ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से यह फैसला भी लिया है कि वह भविष्य में किसी पद के लिए किसी के पास जाकर आग्रह नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा, ''अपने जीवन के शेष समय में मैं किसी पद की मांग को लेकर किसी के दरवाजे पर नहीं जाऊंगा। उन्होंने मुझे अपना वचन दिया था। उन्होंने उसे निभाया या नहीं, यह उनका फैसला था। लेकिन जनता के समर्थन के अलावा मैं किसी पद के लिए किसी से संपर्क नहीं करूंगा। जीवन में आत्मसम्मान सबसे महत्वपूर्ण है।'' पाटिल ने स्पष्ट किया कि उनका विरोध मंत्री पद नहीं मिलने के कारण नहीं था, बल्कि कथित तौर पर दिए गए आश्वासन को पूरा नहीं किए जाने से था। उन्होंने कहा, मैं विधायक पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार था, लेकिन कांग्रेस छोड़ने का मेरा कभी इरादा नहीं था। मुझे मंत्री पद नहीं मिलने से दुख नहीं हुआ। मुझे इस बात से चोट पहुंची कि मुझसे एक वादा किया गया था।

बेलगावी में केएसआरटीसी बस और मोटरसाइकिल की भिड़ंत में तीन लोगों की मौत

बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी जिले में बृहस्पतिवार को कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस और मोटरसाइकिल के बीच हुई टक्कर में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, हादसा गोकाक तालुक के कोन्नूर शहर में हुआ। मृतकों की पहचान सैफ मुल्ला (29), उनकी बेटी सीजा मुल्ला (4) और इम्तियाज बडगांव (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई एक अन्य बच्ची, जिहान शाहरुख कुडाचिकर को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक, केएसआरटीसी की बस गोकाक की ओर जा रही थी, तभी कोन्नूर के पास एक मोटरसाइकिल से उसकी टक्कर हो गई। पुलिस ने बताया कि यह मोटरसाइकिल गोकाक फॉल्स स्थित फोर्ब्स स्कूल से आ रही थी और इसे सैफ मुल्ला चला रहे थे।

मंगलूरु के एक कॉलेज में रैगिंग के मामले में पांच छात्र गिरफ्तार

मंगलूरु। मंगलूरु के एक निजी कॉलेज में बुधवार को कथित रैगिंग की घटना सामने आने के बाद पुलिस ने पांच छात्रों को गिरफ्तार किया।

आरोप है कि वरिष्ठ छात्रों ने प्रथम वर्ष के छात्रों को परिसर के अंदर और बाहर परेशान किया। पुलिस ने प्रथम वर्ष के दो छात्रों की शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को रैगिंग रोधी प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। मंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने बताया कि प्रभावित छात्रों को चोटें आई हैं, इसलिए आरोपियों के खिलाफ मारपीट से संबंधित अतिरिक्त धाराएं भी लगाई जाएंगी।

वरिष्ठ छात्रों के एक समूह ने जेप्पू क्षेत्र में गुजेरकरे टैंक के पास एक चाय की दुकान के नजदीक कथित तौर पर उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि छात्रों को जूते-चप्पल उतारने, उनके निर्देशों का पालन करने और अन्य बातों को मानने के लिए मजबूर किया गया।

दक्षिणांचल राजभाषा सम्मेलन का हुआ शुभारंभ, राजभाषा कार्यान्वयन पर किया मंथन

मैसूरु/दक्षिण भारत। भारतीय खाद्य निगम के आंचलिक कार्यालय (दक्षिण), चेन्नई के सहयोग से अंचल के वर्ग-2 और वर्ग-3 अधिकारियों-कर्मचारियों के राजभाषा संवर्ग एवं नोडल कार्मिकों के लिए दो दिवसीय दक्षिणांचल राजभाषा सम्मेलन का शुभारंभ गुरुवार को हुआ। यह आयोजन क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु एवं मंडल कार्यालय, मैसूरु के संयुक्त सौजन्य से किया गया।

इसके मुख्य अतिथि पावरग्रिड के उप महाप्रबंधक (राजभाषा) तथा नराकास (उपक्रम-2), बेंगलूरु के सदस्य सचिव नारायण साव थे। कार्यक्रम में भारतीय खाद्य निगम, आंचलिक कार्यालय (दक्षिण), चेन्नई से महाप्रबंधक (राजभाषा)

हर्षित सिंह, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, नराकास (उपक्रम), चेन्नई, क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु से रीना पांडेय, महाप्रबंधक (कर्नाटक क्षेत्र) बीओ महेश्वरप्पा, उप महाप्रबंधक कर्नाटक क्षेत्र शेखर अरविंद तथा मंडल कार्यालय, मैसूरु के मंडल प्रबंधक सत्यजीत प्रियदर्शी मौजूद थे।

नारायण साव ने कहा कि राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित ऐसे सम्मेलन राजभाषा कार्यान्वयन की बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रभावी मंच हैं। इन आयोजनों के माध्यम से राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित शंकाओं एवं व्यावहारिक समस्याओं का समाधान प्राप्त होता है। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी को जरूरी बताया।

शेखर अरविंद ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक एकता और प्रशासनिक समन्वय का सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी कार्यालयों से राजभाषा नीति के प्रभावी अनुपालन का आह्वान किया। बीओ महेश्वरप्पा ने कर्नाटक क्षेत्र को राजभाषा विभाग, नराकास तथा भारतीय खाद्य निगम, दक्षिणांचल द्वारा प्राप्त विभिन्न शील्ड एवं पुरस्कारों का उल्लेख करते हुए प्रबंधक (राजभाषा) मनोज कुमार साव के योगदान की सराहना की। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने तथा विभिन्न राजभाषा गतिविधियों के माध्यम से दूसरों को भी प्रेरित करने का आग्रह किया। हर्षित सिंह ने कहा कि दक्षिण भारत में हिंदी का विकास क्षेत्रीय भाषाओं के साथ समन्वय स्थापित करने से ही संभव है। राजभाषा हिंदी का संवर्धन क्षेत्रीय भाषाओं के सम्मान एवं सहयोग के साथ ही किया जा सकता है।

ಬ್ಯಾಂಕ್ ಆಫ್ ಬರೋಡ बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda India's International Bank

क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु दक्षिण
चतुर्थ तल, 41/2, एमजी रोड, ट्रिनिटी सर्कल, बेंगलूरु- 560001

लीज / किराए पर परिसर की आवश्यकता

बैंक ऑफ बड़ौदा, बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र की **इलेक्ट्रॉनिक सिटी चरण-1 शाखा** के लिए नई जगह लेने के वास्ते ऐसे भू-स्वामियों से प्रस्ताव आमंत्रित करता है, जिनके पास ज़मीन और बनी-बनाई संपत्ति का साफ़ और बिक्री योग्य मालिकाना हक हो। इस संपत्ति का कार्पेट एरिया 2000 से 2350 वर्ग फ़ीट के बीच होना चाहिए और इसमें बिजली की पर्याप्त आपूर्ति समेत सभी जरूरी सुविधाएं होनी चाहिएं। इच्छुक बोलीकर्ताओं को अपनी बोलियां दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में, जिन पर तकनीकी बोली और वित्तीय बोली लिखा हो, नीचे दिए गए पते पर **31.08.2026 को 15:00** बजे तक या उससे | पहले जमा करानी होंगी: क्षेत्रीय प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, चतुर्थ तल, क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूरु दक्षिण, विजया टावर्स, ट्रिनिटी सर्कल, एमजी रोड, बेंगलूरु-560001. अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट **http://www.bankofbaroda.bank.in** के टेंडर सेक्शन में लॉग-इन करें।

दिनांक: 07.08.2026
स्थान: बेंगलुरु

ह/- क्षेत्रीय प्रमुख,
बैंक ऑफ़ बड़ौदा, बेंगलुरु दक्षिण

ಬ್ಯಾಂಕ್ ಆಫ್ ಬರೋಡ बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda India's International Bank

क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु दक्षिण
चतुर्थ तल, 41/2, एमजी रोड, ट्रिनिटी सर्कल, बेंगलूरु- 560001

लीज / किराए पर परिसर की आवश्यकता

बैंक ऑफ बड़ौदा, बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र की **कोडाथी शाखा** के लिए नई जगह लेने के वास्ते ऐसे भू-स्वामियों से प्रस्ताव आमंत्रित करता है, जिनके पास ज़मीन और बनी-बनाई संपत्ति का साफ़ और बिक्री योग्य मालिकाना हक हो। इस संपत्ति का कार्पेट एरिया 2000 से 2350 वर्ग फ़ीट के बीच होना चाहिए और इसमें बिजली की पर्याप्त आपूर्ति समेत सभी जरूरी सुविधाएं होनी चाहिएं। इच्छुक बोलीकर्ताओं को अपनी बोलियां दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में, जिन पर तकनीकी बोली और वित्तीय बोली लिखा हो, नीचे दिए गए पते पर **31.08.2026 को 15:00** बजे तक या उससे | पहले जमा करानी होंगी: क्षेत्रीय प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, चतुर्थ तल, क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूरु दक्षिण, विजया टावर्स, ट्रिनिटी सर्कल, एमजी रोड, बेंगलूरु-560001. अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट **http://www.bankofbaroda.bank.in** के टेंडर सेक्शन में लॉग-इन करें।

दिनांक: 07.08.2026
स्थान: बेंगलुरु

ह/- क्षेत्रीय प्रमुख,
बैंक ऑफ़ बड़ौदा, बेंगलुरु दक्षिण

ಬ್ಯಾಂಕ್ ಆಫ್ ಬರೋಡ बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda India's International Bank

क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु दक्षिण
चतुर्थ तल, 41/2, एमजी रोड, ट्रिनिटी सर्कल, बेंगलूरु- 560001

लीज / किराए पर परिसर की आवश्यकता

बैंक ऑफ बड़ौदा, बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र की **थुबाराहल्ली शाखा** के लिए नई जगह लेने के वास्ते ऐसे भू-स्वामियों से प्रस्ताव आमंत्रित करता है, जिनके पास ज़मीन और बनी-बनाई संपत्ति का साफ़ और बिक्री योग्य मालिकाना हक हो। इस संपत्ति का कार्पेट एरिया 2000 से 2350 वर्ग फ़ीट के बीच होना चाहिए और इसमें बिजली की पर्याप्त आपूर्ति समेत सभी जरूरी सुविधाएं होनी चाहिएं। इच्छुक बोलीकर्ताओं को अपनी बोलियां दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में, जिन पर तकनीकी बोली और वित्तीय बोली लिखा हो, नीचे दिए गए पते पर **31.08.2026 को 15:00** बजे तक या उससे | पहले जमा करानी होंगी: क्षेत्रीय प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, चतुर्थ तल, क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूरु दक्षिण, विजया टावर्स, ट्रिनिटी सर्कल, एमजी रोड, बेंगलूरु-560001. अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट **http://www.bankofbaroda.bank.in** के टेंडर सेक्शन में लॉग-इन करें।

दिनांक: 07.08.2026
स्थान: बेंगलुरु

ह/- क्षेत्रीय प्रमुख,
बैंक ऑफ़ बड़ौदा, बेंगलुरु दक्षिण

ಬ್ಯಾಂಕ್ ಆಫ್ ಬರೋಡ बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda India's International Bank

क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु दक्षिण
चतुर्थ तल, 41/2, एमजी रोड, ट्रिनिटी सर्कल, बेंगलूरु- 560001

लीज / किराए पर परिसर की आवश्यकता

बैंक ऑफ बड़ौदा, बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र की **रामागोंडनहल्ली शाखा** के लिए नई जगह लेने के वास्ते ऐसे भू-स्वामियों से प्रस्ताव आमंत्रित करता है, जिनके पास ज़मीन और बनी-बनाई संपत्ति का साफ़ और बिक्री योग्य मालिकाना हक हो। इस संपत्ति का कार्पेट एरिया 2000 से 2350 वर्ग फ़ीट के बीच होना चाहिए और इसमें बिजली की पर्याप्त आपूर्ति समेत सभी जरूरी सुविधाएं होनी चाहिएं। इच्छुक बोलीकर्ताओं को अपनी बोलियां दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में, जिन पर तकनीकी बोली और वित्तीय बोली लिखा हो, नीचे दिए गए पते पर **31.08.2026 को 15:00** बजे तक या उससे | पहले जमा करानी होंगी: क्षेत्रीय प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, चतुर्थ तल, क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूरु दक्षिण, विजया टावर्स, ट्रिनिटी सर्कल, एमजी रोड, बेंगलूरु-560001. अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट **http://www.bankofbaroda.bank.in** के टेंडर सेक्शन में लॉग-इन करें।

दिनांक: 07.08.2026
स्थान: बेंगलुरु

ह/- क्षेत्रीय प्रमुख,
बैंक ऑफ़ बड़ौदा, बेंगलुरु दक्षिण

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या
B/TRD.2026-27/19 दिनांक : 30.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित करता है।

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
बाली टीएसएस (Balli/TSS) से येलहंका टीएसएस (Yelahanka/TSS) तक ट्रैक्शन पावर ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत, स्थानांतरण, स्थापना एवं कमीशनिंग, येलहंका टीएसएस में द्वितीय बे (Second Bay) की व्यवस्था हेतु।	Rs. 1,81,47,537/-

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 21.08.2026 को 15:00 बजे तक।

विस्तृत जानकारी हेतु लॉग इन करें : www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता / टीआरडी बेंगलुरु

PUB/348/AAVC/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, पीएनआर स्थिति तथा अन्य रेलवे सेवाओं का लाभ उठाने के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)

प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094178, 4541, 4542 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित आमंत्रित की जाती हैं।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमईसीएच/सीओएन/ईटीएन-62 / 2026-2027 दिनांक 06.08.2026
कार्य का नाम	सीआईएसएफ बैरक, डीओएस इसरो हाउसिंग कॉलोनी, जालाहल्ली, बेंगलूरु में 01-नग यात्री लिफ्ट की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य और 10 वर्षों के लिफ्ट के लिए सीएएमसी (दूसरी बोली)
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 25.03 लाख भाग A के लिए रु. 24.32 लाख भाग B के लिए
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि, वर्क ऑर्डर जारी होने की तारीख के 15वें दिन से गिनी जाएगी।	तीन (03) महीने - भाग A के लिए एक वर्ष की वारंटी अवधि के पश्चात 10 वर्ष - भाग B के लिए
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	07.08.2026 को 16.00 बजे से 22.08.2026 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	08.08.2026 को 11.00 बजे से 23.08.2026 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	24.08.2026 को 16.00 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	25.08.2026 को 16.00 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	27.08.2026 को 11.00 से
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 50,056.00

2. पात्रता मानदंड और दूसरी जानकारी के लिए, इच्छुक निविदाकार कृपया वेबसाइट www.isro.gov.in/Tenders.html पर टेंडर इनवाइटिंग का विस्तृत द्विभाषी (हिंदी - अंग्रेजी) नोटिस (NIT) देख सकते हैं और https://www.tenderwizard.com/ISRO पर टेंडर फ्री में देख सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)

प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094182, 4541 फैक्स : 080-28094180

संशोधन-I दिनांक 06.08.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित आमंत्रित की जाती हैं।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ ईटीएन-51 / 2026-2027 दिनांक 16.07.2026
कार्य का नाम	आईडीएसएन परिसर, इसट्रैक, ब्यालालु, बेंगलूरु में चिलर, टीपीएन डीबी और एमसीसीबी पैनल के लिए डिस्ट्रीब्यूशन पैनल की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग का कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य	रु. 19.45 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	पाँच (05) महीने
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	17.07.2026 को 16.00 बजे से 01.08.2026 को 16.00 तक जिसे अब 15.08.2026 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है।
बोली स्पष्टीकरण	18.07.2026 को 11.00 बजे से 02.08.2026 को 16.00 तक जिसे अब 16.08.2026 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है।
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	03.08.2026 को 16.00 बजे तक जिसे अब 17.08.2026 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है।
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	04.08.2026 को 16.00 बजे तक जिसे अब 18.08.2026 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है।
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	06.08.2026 को 11.00 बजे से जिसे अब 20.08.2026 को 11.00 बजे तक बढ़ाया गया है।
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 38,900/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

रणथंभौर बाघ अभयारण्य क्षेत्र में दिखा सांभर, वन विभाग ने एएसआई को दिया नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रणथंभौर बाघ अभयारण्य क्षेत्र में कचरे के ढेर के पास एक सांभर दिखाई देने के बाद वन विभाग ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अभयारण्य के जिस क्षेत्र में कचरे की मौजूदगी पर एएसआई को यह नोटिस दिया गया उसमें साफ-सफाई की जिम्मेदारी एएसआई की है। घटना सामने आने के बाद वन विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित स्थान की सफाई कराई। अधिकारियों ने बताया कि अब क्षेत्र को पूरी तरह साफ कर दिया गया है और कचरे का उचित तरीके से निस्तारण किया गया है।

इस घटना के बाद रणथंभौर बाघ अभयारण्य के उप वन संरक्षक (डीसीएफ), एएसआई के अधिकारियों और त्रिनेत्र गणेश मंदिर प्रबंधन के बीच बैठक आयोजित की गई। बैठक में भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उपायों पर चर्चा की गई। बैठक में कचरा प्रबंधन व्यवस्था को और मजबूत बनाने, नियमित सफाई सुनिश्चित करने, कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करने, पर्याप्त संख्या में डस्टबिन लगाने तथा श्रद्धालुओं और पर्यटकों को स्वच्छता एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया।

अशोक गहलोत ने डांगावास हत्याकांड में फैसले को बेहद चिंताजनक बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नागौर डांगावास हत्याकांड में स्थानीय अदालत के फैसले को बेहद चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि 11 साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बावजूद इंसाफ नहीं मिलना जांच और अभियोजन की गंभीर खामियों की ओर इशारा करता है। उल्लेखनीय है कि नागौर जिले के विशिष्ट न्यायालय (अनुसूचित जाति व अनुसूचित जन जाति) ने डांगावास हत्याकांड के सभी 40 आरोपियों को बुधवार को बरी कर दिया। साल 2015 में इस हत्याकांड में जमीन विवाद को लेकर पांच दलितों की हत्या कर दी गई थी। गहलोत ने एक बयान में कहा, नागौर के डांगावास हत्याकांड में 11 साल बाद आया फैसला बेहद चिंताजनक है।

2015 में जमीन विवाद में पांच दलितों समेत छह लोगों की निर्मम हत्या हुई थी और अब एससी-एसटी विशेष अदालत ने सभी 40 आरोपियों को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया। पीड़ित परिवारों का सवाल जायज है, अगर 40 आरोपी बरी हो गए तो इन छह लोगों की हत्या आखिर किसने की?

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 11 साल की लंबी कानूनी लड़ाई, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच और सुनवाई के बावजूद इंसाफ नहीं मिलना जांच और अभियोजन की गंभीर खामियों की ओर इशारा करता है। उन्होंने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर भी निशाना साधा।

गहलोत ने कहा, भाजपा सरकार के शासन में 11 साल पहले ऐसी घटना होना और अब उन्हीं के शासन में प्रतिकूल फैसला आना दिखाता है कि भाजपा न्याय के पक्ष में नहीं है। दलित समाज के साथ हुए इस अन्याय में जवाबदेही तय होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा दलित समाज के सम्मान और अधिकारों के लिए खड़ी रही है। पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील की प्रक्रिया मजबूती से आगे बढ़नी चाहिए, राज्य सरकार को इसमें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

एबीवीपी ने छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव करवाए जाने की मांग के जोर पकड़ने के बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को यहां राजस्थान विश्वविद्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

संगठन के कार्यकर्ताओं ने जवाहर लाल नेहरू मार्ग पर स्थित विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर धरना दिया और नारेबाजी की। इस दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय के द्वार पर चढ़ने की कोशिश की लेकिन वहां तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें वहां से हटा दिया।

इस दौरान संगठन के कुछ पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को पुलिस अपने वाहनों में डालकर वहां से ले गई। एबीवीपी के विश्वविद्यालय राष्ट्रीय संयोजक भारत भूषण यादव ने कहा कि राज्य सरकार को छात्र संघ चुनाव को बहाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई साल से छात्र संघ चुनाव नहीं हो रहे हैं जिन्हें करवाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठन मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखेगा।

राजस्थान में छात्र संघ चुनाव करवाए जाने की मांग लगातार जोर पकड़ रही है। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) भी इस मुद्दे को लेकर प्रदर्शन कर चुकी है। संगठन से जुड़े तीन कार्यकर्ता पिछले हफ्ते यहां दो दिन तक पानी की टंकी पर चढ़े रहे हालांकि कांग्रेस नेताओं के मनाने पर वे नीचे उतर आए। उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में भी बृहस्पतिवार को छात्रों ने छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

मानसून सत्र से पहले दिल्ली में अमित शाह से मिले भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र का 20 अगस्त से आगाज होगा। सत्र की तैयारियों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के दौरे पर हैं, जहां उन्होंने गुरुवार को केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। विधानसभा सत्र से पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का दिल्ली दौरा अहम है। गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तस्वीर शेयर करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। वहीं, विधानसभा सत्र को लेकर राजस्थान सरकार में मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा, संविधान और विधायी प्रक्रियाओं के अनुसार, विधानसभा का सत्र नियमित अंतराल पर बुलाया जाना चाहिए। इन सत्रों के दौरान राजस्थान के विकास और जन-कल्याण से जुड़े मामलों पर चर्चा होती है, सरकार के महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी जाती है और जनता के हित में बिल पेश करके उन्हें पारित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि मानसून सत्र 20 अगस्त से शुरू करने का प्रस्ताव है। इस मानसून सत्र में राजस्थान की जनता के हित में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अच्छे कामों को बढ़ाया जाएगा। उधर, मंत्री जोराराम कुमावत ने सरकार के कार्यों की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार पिछले कई सालों से सराहनीय काम कर रही है। सरकार समाज के सबसे आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसी कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है जिनसे सबसे वंचित वर्गों को सीधा लाभ मिले।

उन्होंने कहा कि किसानों को मजबूत बनाने, महिलाओं को सशक्त करने, युवाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कई पहल शुरू की गई हैं कि गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएं हर पात्र लाभार्थी तक पहुंचें। सरकार ने 'राइजिंग राजस्थान' पहल भी शुरू की है, जो राज्य के विकास में योगदान दे रही है और साथ ही निजी क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा कर रही है।

आगामी नगरीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों की तैयारियों की राज्य निर्वाचन आयुक्त ने की समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने गुरूवार को शासन सचिवालय स्थित सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आगामी नगरीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनावों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सभी जिला निर्वाचन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं निर्वाचन कार्य से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। राज्य निर्वाचन आयुक्त सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण, भयमुक्त एवं प्रलोभन-मुक्त वातावरण में संपन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र मतदाता को निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिलना चाहिए। इसके लिए सभी अधिकारी पूरी निष्ठा, निष्पक्षता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करते हुए आयोग के दिशा-निर्देशों एवं विधिक प्रावधानों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि मतदाता सूचियों को अद्यतन करने, मतदान केन्द्रों की स्थापना, मतदान दलों के गठन, कार्मिकों के प्रशिक्षण, निर्वाचन सामग्री की उपलब्धता तथा अन्य सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाएं। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों की पहचान कर वहां पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के पश्चात उसकी प्रभावी पालना सुनिश्चित की जाए तथा मतदाताओं को प्रभावित करने वाले किसी भी प्रयास के विरुद्ध त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्वाचन संबंधी शिकायतों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण करने तथा प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने मतदान केन्द्रों पर पेयजल, बिजली, छाया, शौचालय, रैंप, व्हीलचेयर सहित सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों एवं अन्य पात्र मतदाताओं के लिए निर्वाचन आयोग के प्रावधानों के अनुरूप विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने अधिकारियों से निर्वाचन कार्य में लगे सभी कार्मिकों का गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण सुनिश्चित करने, सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा प्रत्येक गतिविधि की नियमित समीक्षा करते हुए किसी भी प्रकार की कमी को समय रहते दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय है और प्रत्येक अधिकारी अपने दायित्वों का समयबद्ध एवं प्रभावी निर्वहन सुनिश्चित करे।

बैठक में राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राजेश वर्मा ने आगामी नगरीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों की तैयारियों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से जिला कलेक्टरों को निर्वाचन कार्यक्रम के विभिन्न चरणों, समयबद्ध कार्ययोजना तथा आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं एवं दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी। वर्मा ने मतदाता सूची को अद्यतन करने, मतदान केन्द्रों की व्यवस्थाओं, कार्मिकों के प्रशिक्षण, निर्वाचन सामग्री की उपलब्धता, कानून-व्यवस्था, आदर्श आचार संहिता की प्रभावी पालना, शिकायतों के त्वरित निस्तारण, सूचना प्रौद्योगिकी आधारित व्यवस्थाओं तथा निर्वाचन संबंधी मॉनिटरिंग तंत्र पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों से निर्धारित समय-सीमा में सभी तैयारियां पूर्ण करने तथा आयोग के निर्देशों का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करने का आह्वान किया। प्रस्तुतीकरण के दौरान जिला कलेक्टरों एवं अधिकारियों की ओर से पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का समाधान करते हुए निर्वाचन संबंधी प्रक्रियाओं एवं दायित्वों पर आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

राजस्थान में बाल सुधार गृह के वार्डन की पीट-पीट कर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक बाल सुधार गृह में वार्डन की कथित तौर पर पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार बाल सुधार गृह में रह रहे तीन बाल अपचारियों (किशोरों) ने बुधवार रात वार्डन साहबराम को लकड़ी के फट्टे से पीटा। इस संबंध में तीन आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और इन्हें आज अदालत में पेश किया जाएगा।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान शहर की अम्बे विहार कॉलोनी के 63 वर्षीय साहब राम के रूप में हुई। वह पूर्व सैनिक थे। जिला पुलिस अधीक्षक हरिशंकर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, तीन आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इन्हें आज अदालत में पेश किया जाएगा और हमले के कारण जानने के लिए उनकी पुलिस रिमांड मांगी जाएगी।

उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है और मुआवजे की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार की प्रशासन से बातचीत चल रही है। पुलिस के अनुसार तीनों आरोपियों में से दो हत्या के व एक एनडीपीएस के मामले में बाल सुधार गृह में बंद है। उन्होंने बताया कि बाल सुधार गृह में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर चर्चा चल रही थी तभी यह घटना घटी।

उन्होंने कहा कि साहब राम परिसर के अंदर खराब एयर कूलर की मरम्मत के लिए दूसरे सुरक्षा गार्ड से औजार लेने जा रहे थे तभी तीन किशोरों ने कथित तौर पर पीछे से लकड़ी के फट्टे से उन पर हमला कर दिया। पुलिस अधीक्षक ने कहा, साहबराम के सिर में गंभीर चोटें आईं और वे मौके पर ही गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज व अन्य सबूत खंगाल रही है।

इंश्योरेंस फॉर ऑल के लक्ष्य को साकार करने के लिए बीमा एजेंसियां बढ़ाएं लक्ष्य : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के प्रत्येक परिवार को सामाजिक एवं वित्तीय सुरक्षा का सुदृढ़ कवच उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर प्रभावी प्रयास कर रही है। इसी क्रम में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को शासन सचिवालय में राज्य स्तरीय बीमा गवर्निंग काउंसिल की द्वितीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण के महत्वाकांक्षी विजन 'इंश्योरेंस फॉर ऑल 2047' के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए प्रदेश के अंतिम छोर तक बीमा सुरक्षा का दायरा विस्तारित करने के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने कहा कि 'इंश्योरेंस फॉर ऑल 2047' केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को सामाजिक एवं वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने का राष्ट्रीय संकल्प है। उन्होंने सभी बीमा एजेंसियों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित लक्ष्यों का दायरा बढ़ाते हुए अधिकाधिक परिवारों को बीमा सुरक्षा से जोड़ें तथा समयबद्ध कार्ययोजना बनाकर लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बीमा एजेंसियां पंचायती राज विभाग के साथ नियमित समन्वय बैठकें आयोजित करें, जिससे ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर बीमा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके तथा ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकाधिक पात्र परिवारों को योजनाओं से जोड़ा जा सके।

श्रीनिवास ने कहा कि आमजन के बीच बीमा के प्रति जागरूकता एवं विश्वास बढ़ाने के लिए सफल क्लेम सेटलमेंट के प्रेरक उदाहरणों और 'सफलता की कहानियों' का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

राजस्थान में अनेक जगह भारी से अतिभारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दक्षिण पश्चिम मानसून की सक्रियता से राजस्थान में बारिश का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे के दौरान कई स्थानों पर भारी से अतिभारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार आज बृहस्पतिवार को भरतपुर, जयपुर, कोटा संभाग में मध्यम से कहीं-कहीं भारी बारिश होने की चेतावनी है।

इसके अनुसार बृहस्पतिवार सुबह तक के 24 घंटे के दौरान राज्य के पश्चिमी भाग में कहीं कहीं हल्की से मध्यम वर्षा हुई। वहीं पूर्वी भाग में कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी व कई जगह अतिभारी बारिश हुई। इस दौरान भरतपुर, डीग, अलवर व धौलपुर जिले में भारी से अतिभारी बारिश हुई। सबसे अधिक 170 मिलीमीटर (अतिभारी) बारिश रूदावल (भरतपुर) में दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर का कहना है कि राजस्थान के कुछ भागों में 6-7 अगस्त से बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने व मानसून पुनः सक्रिय होने की पूरी संभावना है। छह अगस्त को भरतपुर, जयपुर, कोटा संभाग में मध्यम से कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

वहीं सात से 10 अगस्त के दौरान भरतपुर, कोटा, अजमेर, जयपुर उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी मध्यम से कहीं-कहीं तेज बारिश होगी।

इसी तरह 7-9 अगस्त को भरतपुर, जयपुर, कोटा, उदयपुर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं भारी/अतिभारी बारिश होने की चेतावनी है।

'हर घर तिरंगा' अभियान राष्ट्रप्रेम का सशक्त माध्यम : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान आज देश के सबसे सफल जनभागीदारी अभियानों में से एक बन चुका है। राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने में इस अभियान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राजस्थान ने इसके प्रभावी क्रियान्वयन में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है और इस वर्ष भी समन्वित एवं सुनियोजित प्रयासों से प्रदेश को इस अभियान में अग्रणी बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं जाएं। मुख्य सचिव ने गुरुवार को सचिवालय में एक बैठक लेकर सम्बंधित विभागों एवं जिला कलक्टरों को अभियान की निर्धारित कार्ययोजना का समयबद्ध पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभियान के अंतर्गत राज्य के प्रमुख स्मारकों, बांधों, सरकारी भवनों तथा एचआरआरएल रिफाइनरी सहित अन्य प्रमुख इमारतों को आकर्षक तिरंगा रोशनी से सजाने के निर्देश दिए। साथ ही अभियान के दौरान आयोजित सभी गतिविधियों के फोटो एवं अन्य विवरण

निर्धारित पोर्टल पर समयबद्ध रूप से अपलोड कर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा।मुख्य सचिव ने 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के आयोजन की तैयारियों के सम्बंध में कहा कि 14 अगस्त को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य विशेषकर युवा पीढ़ी को देश के विभाजन की त्रासदी से अवगत कराना है। उन्होंने निर्देश दिए कि 13 एवं 14 अगस्त को जिला एवं पंचायत स्तर पर विभाजन विषयक प्रदर्शनी तथा फिल्मों का प्रदर्शन आयोजित किया जाए। साथ ही, 14 अगस्त को जनप्रतिनिधियों, विभाजन प्रभावित परिवारों, स्वतंत्रता सेनानियों, स्वयं सहायता समूहों, कलाकारों, खिलाड़ियों तथा अन्य प्रबुद्ध नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला, पंचायत एवं ग्राम पंचायत स्तर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम, शालीन सजावट, श्वेत पुष्पों से श्रद्धांजलि, दो मिनट का मौन तथा कैंडल मार्च आयोजित करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि प्रदेशभर में 9 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत जिला, नगरीय निकाय, पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न जनभागीदारी आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान की शुरुआत 9 अगस्त को प्रातः 8 से 11 बजे तक प्रत्येक गांव एवं ढाणी में स्थानीय जनसमुदाय की सहभागिता से आयोजित तिरंगा प्रभात फेरी के साथ होगी।

राजनाथ की अध्यक्षता में हुई संसदीय समिति की बैठक, प्रादेशिक सेना पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई एक संसदीय समिति की बैठक में प्रादेशिक सेना पर चर्चा हुई और समिति के सदस्यों ने इसकी समग्र प्रभावशीलता को और बढ़ाने के लिए सुझाव दिए। सिंह ने कहा कि प्रादेशिक सेना प्रशिक्षित सैनिकों का एक रिजर्व' तैयार करके रक्षा बलों के लिए जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त कर्मियों को तैयार रखती है, जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर तुरंत तैनात किया जा सकता है।

सिंह ने यहां रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें प्रादेशिक सेना पर चर्चा हुई। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल एन एस राजा सुब्रमणि, सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार, सचिव (रक्षा वित्त) विश्वजीत सहाय और अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान, वरिष्ठ अधिकारियों ने समिति के सदस्यों के समक्ष प्रादेशिक सेना के कामकाज, भूमिका और मुख्य उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सदस्यों ने इसे और मजबूत बनाने और इसकी कुल प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए सुझाव भी दिए।

अपने संबोधन में, सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में प्रादेशिक सेना के योगदान को महत्वपूर्ण'' बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जहां रक्षा बलों की भूमिका मुख्य रूप से सुरक्षा से जुड़े पहलुओं पर केंद्रित होती है, वहीं प्रादेशिक सेना पर्यावरण संरक्षण और समाज सेवा जैसे अन्य क्षेत्रों में भी योगदान देती है। सिंह ने कहा, प्रादेशिक सेना 'नागरिक-सैनिक' अवधारणा का जीवंत उदाहरण है।

इसके सदस्य जहां एक ओर आम नागरिकों की तरह अपने कामकाज में लगे रहते हैं, वहीं दूसरी ओर सीमाओं की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए वर्दी भी पहनते हैं।

उन्होंने कहा कि जब कर्मी अपना कार्यकाल पूरा करके एक आम नागरिक के तौर पर जीवन जीते हैं, तो वे समाज और सेना के बीच ''एक जीवंत सेतु'' की भूमिका निभाते हैं और लोगों, खासकर युवाओं को रक्षा बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं। मंत्रालय ने कहा कि प्रादेशिक सेना एक प्रशिक्षित और मजबूत बल है, जिसमें लगभग 44,400 कर्मी और 59 अलग-अलग इकाइयां शामिल हैं। प्रादेशिक सेना का गठन 9 अक्टूबर 1949 को हुआ था। दशकों की अपनी यात्रा के दौरान इसने युद्ध के समय और मानवीय व पर्यावरण संरक्षण में देश की सेवा की है।

लोकसभा में हंगामे के बीच कराधान एवं अन्य विधियां संशोधन विधेयक पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने बृहस्पतिवार को विपक्ष के हंगामे के बीच 'कराधान एवं अन्य विधियां संशोधन विधेयक, 2026' को चर्चा के बिना पारित कर दिया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के बारे में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों के शोर-शराबे के बीच, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कराधान एवं अन्य विधियां संशोधन विधेयक, 2026 सदन में चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया।

विधेयक का उद्देश्य विश्वसनीय नीतिगत व्यवस्था और प्रक्रियागत निश्चितता'' उपलब्ध कराकर अधिक विदेशी पूंजी आकर्षित करना तथा घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है। विपक्ष के हंगामे के कारण विधेयक पर चर्चा नहीं हो सकी। सदन ने इस संबंध में जून में लागू अध्यादेश को अस्वीकृत करने के आरएसपी सांसद एनके प्रेमचंद्रन के सांविधिक संकल्प को खारिज कर दिया। सभा ने के. राधाकृष्णन, राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव और प्रेमचंद्रन समेत कुछ विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को भी खारिज कर दिया।

युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप तैयार होगी प्रदेश की एकीकृत युवा नीति : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य की एकीकृत युवा नीति को सूबे के युवाओं की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा है कि युवा नीति तैयार करने से पहले प्रदेश के 16 से 35 वर्ष के युवाओं की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं और आवश्यकताओं को समझा जाएगा और उसके बाद ही नीति को आकार दिया जाएगा। आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश की युवा नीति शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वास्थ्य और नेतृत्व विकास को एकीकृत करेगी। बयान के मुताबिक, आदित्यनाथ ने युवाओं के समग्र विकास की निगरानी के लिए विशेषज्ञों का स्वतंत्र आयोग बनाने की जरूरत पर जोर देते हुए 'सरदार वल्लभभाई पटेल औद्योगिक एवं रोजगार जोन' की स्थापना शीघ्र प्रारम्भ करने के भी निर्देश दिए।

योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना को और प्रभावी बनाने तथा हर विश्वविद्यालय और महाविद्यालय तक इसके विस्तार पर विचार करने को भी कहा।

बाढ़ प्रभावित अरुणाचल का दौरा करने के बाद नड्डा ने केंद्र की ओर से पूरी मदद का भरोसा दिलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने बृहस्पतिवार को बाढ़ प्रभावित अरुणाचल प्रदेश के लिए राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों में केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने केई पान्योर जिले के सबसे अधिक प्रभावित इलाकों का दौरा कर हालिया आकस्मिक बाढ़ और भूस्खलन से हुए नुकसान का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि नड्डा ने पोस्सा गांव और इससे सटी एनईईपीसीओ कॉलोनी का दौरा किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार संकट की इस घड़ी में राज्य के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है।

नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रख रही है और राज्य सरकार के साथ समन्वय कर प्रभावित परिवारों तक समय पर राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता और वित्तीय मदद पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नुकसान का विस्तृत आकलन पूरा होने के बाद क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और प्रभावित लोगों के पुनर्वास का काम प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। नड्डा के साथ राज्य के शहरी विकास मंत्री बालो राजा, याचुली के विधायक टोको तातुंग, केई पान्योर जिले के अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधि भी मौजूद थे। पूर्वोत्तर राज्य में बाढ़ और भूस्खलन से अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है; यह 28 जिलों में फैल गया है और इससे अनुमानित 1,55,858 लोग प्रभावित हुए हैं।

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर 70 लाख राष्ट्रीय ध्वज बांटे जाएंगे: शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार स्वतंत्रता दिवस से पहले 70 लाख राष्ट्रीय ध्वज वितरित करेगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि राज्य इस साल पहली बार केंद्र सरकार के 'हर घर तिरंगा' अभियान में शामिल हो रहा है। शुभेंदु ने राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे राज्यव्यापी अभियान के तहत तिरंगे सभी जिलों, अनुमंडलों, नगरपालिकाओं और प्रखंडों में वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर शुरू किए गए इस अभियान में सरकारी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, सांस्कृतिक संगठनों, युवा संगठनों और आम जनता की भागीदारी होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल के तहत महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों, विरासत स्थलों और सांस्कृतिक संस्थानों को राष्ट्रीय ध्वज के रंगों से रोशन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उद्योगों, होटल, शॉपिंग मॉल और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों से भी इस अभियान में भाग लेने का आग्रह किया गया है। शुभेंदु ने बताया कि 10 अगस्त को कोलकाता में तिरंगा रैली का आयोजन किया जाएगा।

गृह मंत्री के बयान की मांग को लेकर कांग्रेस सहित विपक्ष का राज्यसभा से बहिर्गमन

नई दिल्ली/भाषा। नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर कांग्रेस और कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा से बहिर्गमन किया। तीन बार के स्थगन के बाद दो बज कर 45 मिनट पर सदन की कार्यवाही शुरू होने पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विनियोग (संख्यांक 3) विधेयक को चर्चा और लोकसभा को लौटाने के लिए पेश किया। उपसभापति हरिवंश ने सदस्यों से इस विधेयक पर चर्चा करने के लिए कहा। इसी बीच कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग की और विरोध जताते हुए सदन से बहिर्गमन कर गए। विपक्ष की इसी मांग को लेकर राज्यसभा की कार्यवाही दिन में पहले ही तीन बार स्थगित की जा चुकी थी।

एआई से बड़ी कंपनियों में नौकरियां घटेंगी, छोटे कारोबार बढ़ाएंगे रोजगार : नीलेकणि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि ने बृहस्पतिवार को कहा कि स्वचालन और कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल से भारत की बड़ी एवं सुव्यवस्थित कंपनियों में आने वाले वर्षों में नौकरियां घट सकती हैं, जबकि लाखों छोटे कारोबार भविष्य में रोजगार सृजन का प्रमुख आधार बनेंगे। 'एनसीएईआर इंडिया पॉलिसी फोरम-2026' को संबोधित करते हुए नीलेकणि ने कहा कि रोजगार सृजन को लेकर देश की सोच में बुनियादी बदलाव की जरूरत है।

नीलेकणि नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के संचालन मंडल के चेयरमैन भी हैं। उन्होंने कहा, ''बड़ी कंपनियां, जो बहुत सुव्यवस्थित ढंग से काम करती हैं, नौकरियों में कटौती के लिहाज से सबसे अधिक प्रभावित होंगी। इसका कारण यह है कि वहां हर काम कुछ तय कार्यों तक सीमित होता है, जिन्हें स्वचालन के जरिये आसानी से किया जा सकता है। इसलिए आने वाले वर्षों में बड़ी कंपनियां शुद्ध रूप से रोजगार घटाने वाली बन सकती हैं।'' इसके विपरीत, उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था का भविष्य लाखों छोटे कारोबार क्षेत्रों में है, क्योंकि वे एआई से होने वाले बदलावों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक सक्षम हैं।

नीलेकणि ने कहा, ''लाखों छोटे कारोबार में एआई के जरिये व्यापक स्तर पर बदलाव करना कहीं अधिक जटिल है। इसलिए उन पर नौकरियों में कटौती का असर अपेक्षाकृत कम होगा और वे अधिक रोजगार सृजित करेंगे।'' उन्होंने कहा कि भविष्य में अर्थव्यवस्था इस सोच पर आगे बढ़ेगी कि कुछ कंपनियां लाखों लोगों को रोजगार दें, इसके बजाय लाखों कंपनियां एक-एक व्यक्ति को रोजगार दें। नीलेकणि ने अनुमान जताया कि भारत में स्टार्टअप की संख्या 2035 तक बढ़कर 10 लाख हो सकती है, जबकि फिलहाल यह करीब 1.5 लाख है। उन्होंने कहा कि इस बदलाव को समर्थन देने के लिए बड़े पैमाने पर नियामकीय बोझ कम करने और कारोबार से जुड़े तंत्र को सरल बनाने की जरूरत है। छोटे उद्यमियों को अनावश्यक नियमों के बोझ से बचाने के साथ-साथ भारतीय रिजर्व बैंक के अकाउंट एग्रीगेटर और ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) जैसे डिजिटल मंचों के माध्यम से उन्हें पूंजी और बाजार तक आसान पहुंच उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

मामला केवल 'गुड टच' और 'बैड टच' तक सीमित था : बृजभूषण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोंडा/भाषा। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता बृजभूषण शरण सिंह ने बृहस्पतिवार को अपने खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि पहलवानों से जुड़ा मामला केवल 'गुड टच' और 'बैड टच' तक सीमित था और इससे अधिक कुछ नहीं था।

गोंडा जिले के नंदिनी नगर महाविद्यालय में आयोजित 'सत्यमेव जयते' सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, ''मैंने किसी की साड़ी खींचने का काम नहीं किया। मेडल पहनाते समय छुआ जाने (टच हो जाना) पर तूफान खड़ा कर दिया गया। मेरे खिलाफ लगाया आरोप राजनीति से प्रेरित है। यदि मैं इस प्रकरण में झुक जाता तो मामला खत्म हो जाता, लेकिन मेरे किरदार का कत्ल हो जाता।'' भाजपा के पूर्व सांसद ने दावा किया कि दुनिया में यौन उत्पीड़न के किसी मामले को लेकर इतना बड़ा आंदोलन कभी नहीं हुआ होगा। उन्होंने कहा, ''अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ भी ऐसा आंदोलन नहीं हुआ और दुनिया के किसी भी बलात्कार के आरोपी के खिलाफ भी इस तरह का आंदोलन नहीं हुआ।'' सिंह ने कहा कि विवादों से उनका पुराना नाता रहा है और कई बार बिना वजह उनका नाम विवादों में घसीटा जाता है। उन्होंने कहा, ''संतों की कृपा मेरे ऊपर रहती है, इसलिए मैं हर संकट से बच जाता हूं।'' महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न मामले में गत तीन अगस्त को दिल्ली की अदालत से बरी होने के बाद भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और बृजभूषण शरण सिंह के बृहस्पतिवार को पहली बार अपने गृह जनपद पहुंचने पर समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

उत्तर प्रदेश के पांच करोड़ घरों में फहराया जाएगा तिरंगा

लखनऊ/भाषा। राष्ट्र नायकों को सम्मान देने के साथ ही भावी पीढ़ी में देशभक्ति का संचार करने के लिए प्रदेश सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि हर घर तिरंगा' अभियान के तहत प्रदेश के पांच करोड़ घरों में तिरंगा फहराया जाएगा। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, इसके साथ ही देशभक्ति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम भी होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी आयोजनों को जनभागीदारी के साथ मनाने का निर्देश दिया है। इस श्रृंखला में राजधानी लखनऊ समेत सभी 75 जनपदों में तिरंगा संगीत समारोह' का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें राष्ट्रभक्ति के गीतों-नृत्यों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

सरकार ने कहा कि हर-घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत भव्य तिरंगा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसके अंतर्गत तिरंगा मेला और भव्य तिरंगा संगीत समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें जनप्रतिनिधियों के साथ ही आम जन की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 14 और 15 अगस्त को प्रदेश के सभी सिनेमाघरों में राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान का अनिवार्य रूप से प्रसारण करने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री मोदी की 2025 में 23 देशों की यात्राओं पर 180 करोड़ रुपये से अधिक खर्च : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वर्ष 2025 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन और जापान समेत 23 देशों की यात्राओं पर 180 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए। विदेश मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को राज्यसभा में एक लिखित जवाब में प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं को लेकर देशवार और वर्षवार आंकड़े साझा किए गए। इसके अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर करीब 74.58 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इसमें छह से 11 जुलाई तक इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा भी शामिल है।

आप के संजय सिंह और माकपा के वी. शिवदासन ने विदेश मंत्रालय से 2021 से अब तक प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं का देशवार विवरण और इन यात्राओं पर हुए खर्च का वर्षवार एवं यात्रा-वार ब्योरा मांगा था। विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा ने अपने जवाब में प्रधानमंत्री द्वारा 2021 से की गई विदेश यात्राओं और प्रत्येक यात्रा पर हुए कुल खर्च का वर्षवार तथा यात्रा-वार विवरण दिया। इसके अनुसार, प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा (2011) पर 10,74,27,363 रुपये, रूस यात्रा (2013) पर 9,95,76,890 रुपये, फ्रांस यात्रा (2011) पर 8,33,49,463 रुपये और जर्मनी यात्रा (2013) पर 6,02,23,484 रुपये खर्च हुए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये आंकड़े महंगाई या मुद्रा विनिमय दर में बदलाव को समायोजित किए बिना वास्तविक खर्च को दर्शाते हैं। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में प्रधानमंत्री की विभिन्न देशों की यात्राओं पर करीब 187 करोड़ रुपये खर्च हुए। इनमें से फ्रांस यात्रा पर 25,59,82,902 रुपये, अमेरिका यात्रा पर 16,54,84,302 रुपये, सऊदी अरब यात्रा पर 15,54,03,792.47 रुपये, ब्राजील यात्रा पर 17,72,22,144 रुपये, चीन यात्रा पर 10,59,90,561 रुपये और ब्रिटेन यात्रा पर 9,91,55,061.39 रुपये खर्च हुए। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने 2025 में मॉरीशस, थाईलैंड, श्रीलंका, साइप्रस, कनाडा, क्रोएशिया, घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, नामीबिया, मालदीव, जापान, भूटान, दक्षिण अफ्रीका, जॉर्डन, ओमान और इथियोपिया की भी यात्रा की। सरकार ने जुलाई 2025 में राज्यसभा में एक अन्य लिखित जवाब में बताया था कि 2021 से 2024 तक प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर कुल खर्च करीब 295 करोड़ रुपये रहा।

आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री की वर्ष 2024 में रूस, यूक्रेन, अमेरिका और ब्राजील समेत 16 देशों की यात्राओं पर करीब 109 करोड़ रुपये, वर्ष 2023 में करीब 93 करोड़ रुपये, वर्ष 2022 में 55.82 करोड़ रुपये और वर्ष 2021 में करीब 36 करोड़ रुपये खर्च हुए। वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश, अमेरिका, इटली और ब्रिटेन की यात्रा की थी। इन यात्राओं पर क्रमश: 1,00,71,288 रुपये, 19,63,27,806 रुपये, 6,90,49,376 रुपये और 8,57,41,408 रुपये खर्च हुए थे।

बाढ़ प्रभावित असम में जानवरों को बचाने में मदद के लिए वंतारा फाउंडेशन को धन्यवाद : मुख्यमंत्री हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य में बाढ़ प्रभावित जानवरों को बचाने और अन्य राहत कार्यों में वन विभाग की मदद करने के लिए बृहस्पतिवार को वंतारा फांउडेशन का आभार जताया।

शर्मा ने कहा कि बाढ़ से मवेशियों और वन्यजीवों को भारी नुकसान पहुंचा है, लेकिन प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जानवरों को बचाने के काम पर अक्सर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में कहा, असम में बाढ़ के नतीजों में से एक ऐसा पहलू जिस पर कम चर्चा हुई है, लेकिन जो बेहद दुखद है, वह है हमारे मवेशियों और वन्यजीवों पर पड़ी भारी मार। 10 लाख से अधिक मवेशी प्रभावित हुए हैं, सैकड़ों जंगली जानवर बह गए हैं, और कई अन्य फंसे हुए हैं या लापता हैं। उन्होंने कहा कि भले ही वन विभाग ने बड़े पैमाने पर बचाव और राहत कार्य शुरू किया है, लेकिन संकट का दायरा इतना बड़ा है कि और अधिक मदद की जरूरत है। शर्मा ने वंतारा फाउंडेशन का विशेष वन्यजीव बचाव टीम और एम्बुलेंस के बेड़े से राज्य के वन विभाग की मदद करने के लिए आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जानवरों को बचाने के काम पर अक्सर उतना ध्यान नहीं दिया जाता, जितना दिया जाना चाहिए। जो लोग इस नेक काम के लिए आगे आए हैं, हम उनकी सराहना करते हैं। श्री अनंत अंबानी के इस विचारशील और दयालु कदम के लिए मैं उन्हें हृदय से धन्यवाद देता हूं।'' असम में बाढ़ से कम से कम 95 लोगों की मौत हुई है और करीब 1.6 लाख प्रभावित हुए हैं।

सुविचार

मुस्कान एक ऐसी भाषा है, जिसे हर कोई समझता है। खुश रहें, दूसरों को खुश रखें, जीवन आसान लगेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बांग्लादेश में 'तूफान' की आहट

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दिसंबर में स्वदेश लौटने की घोषणा कर इस पड़ोसी देश के राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। अगर वे अपने फैसले पर अडिग रहेंगी और बांग्लादेश लौटेंगी तो उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इस घटना का असर भारत-बांग्लादेश के संबंधों पर भी पड़ सकता है। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान की पूरी कोशिश होगी कि शेख हसीना स्वदेश न लौटें। उनकी सरकार दबाव बनाने में जुट जाएगी, क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री के बांग्लादेश लौटने से राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को नई ऊर्जा मिलेगी। हो सकता है कि उस स्थिति में शेख हसीना को हवाईअड्डे पर ही गिरफ्तार कर लिया जाए! उनके खिलाफ अदालतों में कई मामले लंबित हैं। कुछ नए मामले दर्ज कराए जा सकते हैं। बांग्लादेश सरकार शेख हसीना को शांति के लिए खतरा बताकर हवाईअड्डे से ही जेल भेज सकती है। बांग्लादेशी समाज अपने तीव्र विरोध प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। वहां ऐसी घटनाओं में भारी हिंसा का इतिहास रहा है। जब सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक यह खबर फैलेगी कि शेख हसीना आ रही हैं तो उनके समर्थक और विरोधी, दोनों में भयंकर टकराव हो सकता है। इन घटनाओं का नतीजा क्या होगा, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। बांग्लादेश सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों को तैनात कर सकती है। अगर हालात बेकाबू हुए तो कई लोग भारतीय इलाकों में घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए सीमा पर तैनात हमारे सुरक्षा बलों को विशेष सतर्कता बरतनी होगी। शेख हसीना के समर्थक उनके भव्य स्वागत की तैयारियां करेंगे, भले ही पूर्व प्रधानमंत्री उन तक न पहुंचें। वे उनके सम्मान में जुलूस और जनसभाओं का आयोजन करेंगे। बांग्लादेश सरकार उन्हें रोकने के लिए कई हथकंडे अपनाएगी।

जिन कथित आंदोलनकारियों ने अगस्त 2024 में उपद्रव मचाया था, वे दोबारा सक्रिय हो सकते हैं। हालांकि, इस बार उनकी भूमिका कुछ अलग हो सकती है। वे उस हवाईअड्डे पर धावा बोल सकते हैं, जहां शेख हसीना का विमान उतरेगा। यही नहीं, उन्हें जेल ले जाने की स्थिति में उस इमारत को निशाना बनाया जा सकता है। शेख हसीना की पार्टी के दफ्तर, समर्थकों के घर भी चपेट में आ सकते हैं। बांग्लादेशी हिंदुओं को अपनी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना होगा, क्योंकि कट्टरपंथी तत्त्व उन पर हमला करने के लिए ऐसे मौकों का इंतजार करते हैं। बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों को अपने घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और उनके आस-पास सीसीटीवी कैमरे जरूर लगाने चाहिएं। उन्हें संयुक्त राष्ट्र संघ, महत्त्वपूर्ण दूतावासों, अंतरराष्ट्रीय मीडिया को ईमेल भेजकर अपनी सुरक्षा का मुद्दा उठाना चाहिए, ताकि बांग्लादेश सरकार पर दबाव पड़े और वह उन इलाकों की सुरक्षा की ओर ध्यान दे। भारतीय मीडिया और यूट्यूबरों को यह मुद्दा जोर-शोर से उठाना चाहिए। शेख हसीना के बेटे सजीब वाजिद जॉय के ये शब्द असल हालात को बयान करते हैं- 'अगस्त 2024 से बांग्लादेश में राजनीतिक हत्याओं को वैध बना दिया गया है। आज बांग्लादेश एक विफल राष्ट्र है और वहां कानून व्यवस्था नहीं है। नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चिंता यह होनी चाहिए कि भारत की पूर्वी सीमा पर बांग्लादेश एक और पाकिस्तान बन गया है।' शेख हसीना को हटाने के पीछे गहरी साजिश थी। इसका सबसे ज्यादा नुकसान बांग्लादेश के आम लोगों को हुआ है। जो देश शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन कर रहा था, उसे ग्रहण लग गया है। कट्टरपंथियों की पौ-बारह हो गई है। यह स्थिति पूरे दक्षिण एशिया के लिए चिंताजनक है। भारत सरकार को अपना किरदार बहुत मजबूती से निभाना होगा।

ट्वीटर टॉक

'सबका साथ-सबका विकास' का मंत्र आज समाज के हर वर्ग के उत्थान का कारण बन गया है। उत्थान की इस यात्रा का आधार 'घुमंतू विकास बोर्ड' है। म घुमंतू समाज द्वारा घुमंतू विकास बोर्ड के गठन के लिए आभार व्यक्त करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

-योगी आदित्यनाथ

आज एफएलओ कलेक्टिव 2026 एग्ज़िबिशन में शामिल हुआ, यह नेशनल हैंडलूम डे की सच्ची भावना के साथ आयोजित एक मौका था, जिसमें महिला सशक्तिकरण और हमारे कारीगरों के अमूल्य योगदान का जश्न मनाया गया।

-दिया कुमारी

डांगावास हत्याकांड मामले में 11 साल बाद आया फैसला बहुत चिंता की बात है। 2015 में, ज़मीन के झगड़े में पांच दलितों समेत छह लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी, और अब डउ-डढ स्पेशल कोर्ट ने सभी 40 आरोपियों को शक का फ़ायदा देते हुए बरी कर दिया है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

लोभ और आत्मसंयम

एक विद्यार्थी ने अपने गुरु से पूछा 'गुरुदेव! चरक संहिता में अनेक स्थलों पर लोभ को रोकने की बात कही गई है और इसका संबंध रोगों से भी जोड़ा गया है, लेकिन मन में उत्पन्न होने वाली इस प्रवृत्ति को आखिर रोका कैसे जाए?' गुरुजी ने सीधे उत्तर देने के बजाय उससे पूछा, 'बताओ, हम अपनी आवश्यकता से अधिक जितना भी धन, वस्तुएं और साधन जीवन भर संचित करते हैं, क्या वे अंत में हमारे साथ जाते हैं?' शिष्य ने उत्तर दिया, 'नहीं गुरुदेव।' गुरुजी बोले, 'बस, इसी 'नहीं' को यदि मनुष्य समय रहते समझ ले तो लोभ पर नियंत्रण की शुरुआत हो सकती है। इच्छाएं जीवन का स्वाभाविक अंग हैं और मनुष्य को कर्म तथा प्रगति के लिए प्रेरित करती हैं, लेकिन जब हमारी इच्छाएं हमारी आवश्यकताओं से बहुत आगे निकल जाती हैं तो वे लोभ का रूप धारण कर लेती हैं। लोभ की सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि इसकी कोई अंतिम सीमा नहीं होती। इसलिए लोभ को रोकने का अर्थ इच्छाओं को पूरी तरह समाप्त करना नहीं, बल्कि विवेक और आत्मसंयम द्वारा उन्हें अपने ऊपर हावी न होने देना है। लोभ को कम करने का एक प्रभावी उपाय दान और बांटने की प्रवृत्ति भी है। संग्रह मन को संकुचित करता है, जबकि दान मन का विस्तार करता है।'

सामयिक

संसदीय-गतिरोध : संवाद ही है समाधान

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मर्यादा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास-दोनों का अपमान है।

लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो संवाद से समाधान' का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ-हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना।

देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है। यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें। विपक्ष अपने विरोध को रचनात्मक बनाए, सरकार अपने संवाद को व्यापक बनाए और दोनों मिलकर संसद की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करें। लोकतंत्र का भविष्य टकराव में नहीं, संवाद में सुरक्षित है। संसद की गरिमा नारेबाजी से नहीं, विचार-विमर्श से बढ़ती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यदि संसद ही गतिरोध का प्रतीक बन जाएगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। समय की पुकार है कि राजनीति चुनावों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़े। पक्ष और विपक्ष दोनों यह स्मरण रखें कि वे किसी दल के नहीं, पहले भारत के प्रतिनिधि हैं। संसद की प्रत्येक घड़ी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उसे हठ, अहंकार और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। यदि लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, संसद की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करनी है और भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो केवल एक ही मार्ग है-संवाद, सहमति और राष्ट्रहित। यही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही संसदीय मर्यादा का सर्वोच्च आदर्श।

मंथन

'धुरंधर' पर अखिलेश की नाराजगी के सियासी मायने

अजय कुमार

मोबाइल : 9335566111

सिनेमा और राजनीति का रिश्ता हमेशा से गहरा रहा है, लेकिन जब परदे की कहानियां सीधे तौर पर चुनावी मैदान के समीकरणों और राजनीतिक दलों के इतिहास को प्रभावित करने लगें, तो सियासत गरमाना लाजिमी है। हाल ही में रिलीज हुई बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल करने वाली फिल्म धुरंधर को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। अखिलेश यादव ने इस फिल्म को सीधे तौर पर एक सरकारी प्रोपेगेंडा करार देते हुए यह तक कह दिया है कि भविष्य में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर इस पूरे मामले की गहन जांच कराई जाएगी। आखिर क्या वजह है कि एक कमर्शियल फिल्म पर सूबे के इतने बड़े राजनेता को इतनी कड़ी आपत्ति जतानी पड़ी और क्यों उन्होंने सरकार बनने पर जांच की बात कहकर राजनीतिक दांव चला है, इसे वर्तमान और अतीत के राजनीतिक घटनाक्रम के आईने में आसानी से समझा जा सकता है।

इस पूरे विवाद की जड़ में वह किस्सा है जिसका इस्तेमाल हालिया दौर के राजनीतिक नैरेटिव को गढ़ने के लिए किया जा रहा है। दरअसल, फिल्म धुरंधर और इसके सीक्वेंस में पूर्वांचल के एक चर्चित माफिया डॉन के किरदार और उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई तथा आतंकी संगठनों के साथ संबंधों को परदे पर दिखाया गया है। यह किसी से छिपा नहीं है कि उक्त माफिया राजनेता अतीत में समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा तक पहुंच चुका था। राजनीतिक विरोधियों ने इस सिनेमैटिक प्लॉट का इस्तेमाल तुरंत समाजवादी पार्टी को घेरने के लिए हथियार के रूप में करना शुरू कर दिया। राजधानी लखनऊ की सड़कों पर लगे उन पोस्टरों और विज्ञापनों ने आग में घी का काम किया, जिनमें सपा के पुराने शासनकाल की तुलना फिल्म के काल्पनिक और अराजक 'राज' से कर दी गई। जब किसी दल के पूरे राजनीतिक अतीत, उसकी कार्यप्रणाली और पुराने दौर के दागों को बड़े परदे के जरिए जनमानस के बीच इस तरह परोसा जाए कि सीधा संबंध किसी खास दल से जुड़े होने का आभास हो, तो दल के मुखिया के लिए उस पर प्रतिक्रिया देना राजनीतिक मजबूरी बन जाता है।

अखिलेश यादव का यह आक्रामक रुख महज एक फिल्म तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत भाजपा सरकार पर विपक्षियों की छवि धूमिल करने के लिए सरकारी तंत्र और संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप लगाया जाता रहा है। अखिलेश ने यह सवाल उठाकर कि इस तरह के फिल्म निर्माण में भारी-भरकम पैसा कहां से आ रहा है और कौन लोग इसके पीछे हैं, एक तीर से कई निशाने साधे हैं। उनका यह बयान इस बात का प्रतीक है कि समाजवादी पार्टी अब वैचारिक और सांस्कृतिक मोर्चे पर भी आक्रामक तेवर अपनाने से पीछे नहीं हटेगी। जब राजधानी में विपक्षी खेमे द्वारा लगातार ऐसे पोस्टर चस्पा किए जाएं जो पार्टी के पुराने शासनकाल को अपराध और अंडरवर्ल्ड के गठजोड़ के रूप में चित्रित करें, तो पार्टी अध्यक्ष के तौर पर अखिलेश यादव के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह इन हमलों को सिर्फ जुबानी जमाखर्च से न टालें, बल्कि भविष्य की सत्ता का विश्वास दिलाकर अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा रखें और विरोधियों को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दें। सरकार बनने पर फिल्म निर्माण और इसके वित्तपोषण की जांच कराए जाने की बात कहकर अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी के समर्थकों और कैडर को भी एक कड़ा संदेश दिया है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में जातिगत समीकरणों, कानून-व्यवस्था के मुद्दों और ब्राह्मणों के उत्पीड़न जैसे अन्य समकालीन मुद्दों के बीच, 'धुरंधर' जैसी फिल्मों के जरिए बन रहे नैरेटिव को काउंटर करना समाजवादी पार्टी के लिए अस्तित्व की लड़ाई जैसा बन गया है। अखिलेश भली-भांति समझते हैं कि यदि जनता के बीच इस प्रोपेगेंडा का माकूल जवाब समय रहते नहीं दिया गया, तो यह उनकी पार्टी की सेक्युलर और प्रगतिशील छवि को नुकसान पहुंचा सकता है। यही कारण है कि उन्होंने आक्रामक रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि सत्ता परिवर्तन होने पर केवल वर्तमान नीतियां ही नहीं, बल्कि इस प्रकार के राजनीतिक छद्म युद्धों और उनके वित्तीय स्रोतों की परतों को भी कानूनी दायरे में बेनकाब किया जाएगा।

नजरिया

गिरता भाषाई स्तर : संस्कृति, संस्कार और सामाजिक बोध का संकट

डॉ स्नेहलता श्रीवास्तव

इतिहास साक्षी है कि जिन समाजों ने अपनी भाषा की मर्यादा खोई, उन्होंने धीरे-धीरे अपने सांस्कृतिक संतुलन को भी खो दिया। सभ्यता का क्षरण अचानक नहीं होता; वह शब्दों से आरंभ होकर व्यवहार तक पहुँचता है और व्यवहार से मूल्य-व्यवस्था तक।

मनुष्य का निर्माण केवल रक्त-मांस और अस्थियों से नहीं होता। उसका वास्तविक गठन उन सूक्ष्म संस्कारों, अनुभूतियों और सांस्कृतिक संकेतों से होता है जो पीढ़ियों के जीवन-अनुभव से छनकर उसकी चेतना में उतरते हैं। इसीलिए किसी समाज को समझने के लिए उसकी भाषा को पढ़ना अनिवार्य माना गया है। भाषा मनुष्य के संस्कारों, संवेदनाओं और सांस्कृतिक अनुशासन का दर्पण है। किसी सभ्यता की आत्मा उसकी भाषा में निवास करती है। शब्द केवल ध्वनियाँ नहीं होते; वे इतिहास की स्मृतियाँ, संस्कृति की परंपराएँ और समाज के नैतिक मूल्य अपने भीतर सँजोए रहते हैं। किसी व्यक्ति की भाषा उसके पारिवारिक संस्कारों, सामाजिक परिवेश, अध्ययन, संवेदनशीलता और मानसिक परिपक्वता का परिचय देती है।वह वक्ता के आंतरिक संसार का प्रतिबिम्ब है।

भारतीय चिंतन में शब्द को ब्रह्म और वाणी को सरस्वती का आसन माना गया। यह केवल आध्यात्मिक कल्पना नहीं थी; उसके पीछे गहरी मनोवैज्ञानिक समझ थी। हमारे ऋषि जानते थे कि मनुष्य जैसा सोचता है, वैसा बोलता है और जैसा बोलता है, धीरे-धीरे वैसा ही बनता जाता है। शब्द केवल विचारों की अभिव्यक्ति नहीं करते, वे विचारों का निर्माण भी करते हैं। इसीलिए सभ्यता का प्रारंभ वाणी के अनुशासन से होता है। जब कोई बालक बोलना सीखता है तो वह केवल शब्द नहीं सीखता, वह सम्मान करना, संबोधन करना, संबंधों का मूल्य समझना और सामाजिक मर्यादाओं का पालन करना भी सीखता है।

उसकी भाषा में घर का वातावरण बोलता है, माता-पिता की संवेदना बोलती है, पीढ़ियों का अनुभव बोलता है। भाषा संस्कृति का वह अदृश्य सेतु है जो व्यक्ति को समाज से और समाज को अपनी परंपरा से जोड़ता है। किन्तु आज इसी सेतु में दरारें पड़ती दिखाई देने लगी हैं। सार्वजनिक जीवन, राजनीति, मनोरंजन और विशेष रूप से सोशल मीडिया ने भाषा के स्वरूप को गहराई से प्रभावित किया है। संवाद की जगह प्रतिक्रियाएँ ले रही हैं, विचार-विमर्श की जगह आरोप-प्रत्यारोप और तर्क की जगह उत्तेजना। शब्दों की गरिमा से अधिक उनके प्रहार की क्षमता को महत्त्व मिलने लगा है। कटुता को स्पष्टवादिता, अभद्रता को निर्भीकता और अपमान को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पर्याय माना जाने लगा है।

इतिहास साक्षी है कि जिन समाजों ने अपनी भाषा की मर्यादा खोई, उन्होंने धीरे-धीरे अपने सांस्कृतिक संतुलन को भी खो दिया। सभ्यता का क्षरण अचानक नहीं होता; वह शब्दों से आरंभ होकर व्यवहार तक पहुँचता है और व्यवहार से मूल्य-व्यवस्था तक। इसलिए भाषा की चिंता वस्तुतः संस्कृति की चिंता है, वाणी की रक्षा वास्तव में मनुष्यता की रक्षा है। आज आवश्यकता केवल शुद्ध भाषा की नहीं, शुद्ध चेतना की है। परिवारों में संवाद की संस्कृति लौटे, साहित्य शब्दों की गरिमा का पुनः स्मरण कराए, शिक्षा व्यक्तित्व और वाणी के संबंध को समझाए तथा समाज यह स्वीकार करे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और अभद्रता समानार्थी नहीं हैं। शब्दों की मर्यादा कोई बंधन नहीं, बल्कि सभ्यता का सौंदर्य है। मनुष्य की पहचान उसके वस्त्रों, वैभव या उपलब्धियों से पहले उसकी वाणी से होती है। भाषा वक्ता के मानसिक स्तर का प्रतिबिम्ब होती है। शब्दों की शालीनता में ही संस्कृति का माधुर्य, समाज की संवेदना और मनुष्य की गरिमा सुरक्षित रहती है। इसलिए भाषा का प्रश्न केवल भाषाविदों का प्रश्न नहीं, सम्पूर्ण सभ्यता के भविष्य का प्रश्न है।इस दिशा में सभी को समय रहते चिंतन करना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रानी-प्रिया कपूर विवाद

उच्चतम न्यायालय को आपसी सहमति से समझौते की उम्मीद

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की मां रानी कपूर और पत्नी प्रिया कपूर के बीच पारिवारिक न्यास को लेकर जारी विवाद में बृहस्पतिवार को कहा कि मध्यस्थता की प्रक्रिया काफी ''संतोषजनक'' ढंग से बढ़ रही है और उसे ''उम्मीद'' है कि यह विवाद आपसी सहमति से सुलझा लिया जाएगा। न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने मध्यस्थ की ओर से दाखिल शुरुआती मध्यस्थता रिपोर्ट पर गौर किया। पीठ ने कहा, ''हमने देखा है कि अबतक मध्यस्थता की प्रक्रिया छह सत्रों में हुई है। मध्यस्थ ने परिवार के सभी सदस्यों से बातचीत की है। हमें यह जानकर खुशी है कि मध्यस्थता काफी संतोषजनक ढंग से आगे बढ़ रही है। हमें इस बात से भी खुशी है कि सभी पक्ष सहयोग कर रहे हैं।'' शीर्ष अदालत ने इस बात का भी संज्ञान लिया कि मध्यस्थ ने दो नवंबर तक मध्यस्थता के लिए समय देने का अनुरोध किया है।

पीठ ने कहा, ''...(संबंधित) पक्षों को खुले मन और दिल से मध्यस्थ के पास जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे किसी लंबे कानूनी विवाद में न फंसें। मध्यस्थता को बढ़ने दें, हम एक और रिपोर्ट का इंतजार करेंगे।'' न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी निर्देश दिया कि मध्यस्थ की फीस का भुगतान ''आरके फैमिली ट्रस्ट'' से किया जाए और इस संबंध में आगे कोई बहस नहीं होनी चाहिए। पीठ ने संबंधित पक्षों से कहा, ''अगर मध्यस्थता विफल हो जाती है, तो हम आप सभी को कानून के अनुसार आगे बढ़ने की अनुमति देंगे, लेकिन ऐसा दिन न आने दें।'' इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने इस विवाद में मध्यस्थ के तौर पर काम करने के लिए भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ को नियुक्त किया था। शीर्ष अदालत ने 27 अप्रैल को संजय कपूर की मां की ओर से दायर उस मुकदमे पर प्रिया कपूर और अन्य से जवाब मांगा, जिसमें फ़ैमिली ट्रस्ट को ''अमान्य'' घोषित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। सुनवाई के दौरान, शीर्ष अदालत ने संबंधित पक्षों से 'फ़ैमिली ट्रस्ट' से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए मध्यस्थता का रास्ता तलाशने को भी कहा था। इंग्लैंड में पोलो मैच के दौरान गिर जाने के बाद 12 जून, 2025 को संजय कपूर का निधन हो गया था।

लद्दाख भारत की पहली अत्यधिक ऊंचाई वाली वन्यजीव सफारी शुरू करेगा

लेह/जम्मू/भाषा। भारत की पहली अत्यधिक ऊंचाई वाली वन्यजीव सफारी लद्दाख में शुरू होने जा रही है। उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना ने स्थानीय समुदायों को वन्यजीव संरक्षण और आर्थिक विकास में समान भागीदार बनाने तथा सतत एवं पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिम तेंदुआ और पक्षी अवलोकन मार्गों पर गाइड के साथ जीप सफारी को मंजूरी दे दी है।

अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय नवगठित हिम तेंदुआ और 'उच्च पर्वतीय प्रकृति' (एसएचएएन) संरक्षण सोसाइटी की पहली शासी निकाय की बैठक में लिया गया। इस बैठक की अध्यक्षता उपराज्यपाल ने की थी।

उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत वन विभाग को काजीरंगा और रणथंभौर जैसे राष्ट्रीय उद्यानों में संचालित सफारी की तर्ज पर गाइड के साथ जीप सफारी शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए ऐसे विशेष वाहनों का इस्तेमाल किया जाएगा, जिनका पिछला हिस्सा खुला होगा, जिनका संचालन प्रशिक्षित स्थानीय चालक और गाइड करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य निर्धारित मार्गों से हटकर वाहन चलाने पर रोक लगाना और वन्यजीवों को होने वाले व्यवधान को कम करना है। इसके साथ ही इसका लक्ष्य विनियमित और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन के माध्यम से पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाना भी है।

तब्बू को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत, आपत्तिजनक ऑनलाइन कंटेंट हटाने का निर्देश देगा कोर्ट

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू की पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा से जुड़ी याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने अहम रुख अपनाया है। अदालत ने गुरुवार को कहा कि वह अभिनेत्री के नाम से जुड़े आपत्तिजनक और अश्लील ऑनलाइन कंटेंट को हटाने के लिए अंतरिम आदेश जारी करेगी। अदालत ने माना कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किसी सार्वजनिक व्यक्ति की पहचान का गलत इस्तेमाल गंभीर विषय है और ऐसे मामलों से निपटने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार करने की जरूरत भी हो सकती है। इस मामले की अगली सुनवाई अब 7 दिसंबर को होगी, लेकिन उससे पहले हाईकोर्ट विस्तृत अंतरिम आदेश जारी करेगा। गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस ज्योति सिंह की एकल पीठ के समक्ष तब्बू की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई हुई। अभिनेत्री ने अदालत से अपनी पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा की मांग की है। उनका कहना है कि इंटरनेट और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनके नाम, तस्वीर, पहचान और व्यक्तित्व का बिना अनुमति इस्तेमाल किया जा रहा है। उनकी पहचान का इस्तेमाल कर एआई से तैयार कंटेंट और डिजिटल इम्पर्सोनेशन के जरिए भी उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

सुनवाई के दौरान तब्बू की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता स्वाति सुकुमार ने अदालत को बताया, ''कोर्ट के पिछले निर्देशों के अनुसार, सोशल मीडिया इंटरमीडियरी को प्रतिवादी के रूप में सही तरीके से शामिल करने के लिए पक्षकारों की सूची में आवश्यक संशोधन कर दिए गए हैं। इंटरनेट पर कुछ लोग अभिनेत्री के नाम को अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री के साथ जोड़कर सर्च कर रहे हैं। संबंधित डिजिटल प्लेटफॉर्म ऐसे सर्च से लाभ भी कमा रहे हैं, जिससे न केवल अभिनेत्री की छवि प्रभावित हो रही है बल्कि उनकी पहचान का व्यावसायिक फायदा भी उठाया जा रहा है।''इन दलीलों पर विचार करने के बाद जस्टिस ज्योति सिंह ने कहा, ''जिन लिंक की पहचान की गई है, उन्हें हटाया जाना चाहिए। ऐसे आपत्तिजनक लिंक को हटाने के संबंध में अंतरिम आदेश पारित किया जाएगा।''

हालांकि, कोर्ट ने कहा कि इस मामले में विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा, जिसमें सभी पहलुओं पर विस्तार से टिप्पणी की जाएगी। अदालत ने कहा कि सार्वजनिक हस्तियों की पर्सनैलिटी राइट्स के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामलों की

संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में भविष्य में आने वाले मामलों के लिए एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार करने पर भी विचार किया जा सकता है। इससे अदालतों और संबंधित पक्षों को ऐसे मामलों के निपटारे में एक समान प्रक्रिया अपनाने में मदद मिलेगी।

हाल के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के साथ इस तरह के मामलों में भी तेजी आई है। एआई के जरिए किसी व्यक्ति की तस्वीर, आवाज या पहचान का इस्तेमाल कर नकली सामग्री तैयार करना अब बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। यही वजह है कि कई सितारे अपनी पहचान की सुरक्षा के लिए अदालत का रुख कर रहे हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के सामने ऐसे कई मामले पहले भी आ चुके हैं।

अमिताभ बच्चन ने बताया भोजपुरी फिल्म का किस्सा, बोले-अपने मेकअप आर्टिस्ट के साथ की थीं दो फिल्में

मुंबई/एजेन्सी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' का आगाज कर दिया है। एक एपिसोड में कंटेस्टेंट के साथ मजेदार बातचीत में अभिनेता ने अपने भोजपुरी सिनेमा में काम करने के अनुभव को साझा किया। शो के होस्ट चैनल ने एपिसोड अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें कंटेस्टेंट ने कहा कि बिहार के लोग अमिताभ बच्चन को बहुत मानते और पसंद करते हैं। साथ ही, कंटेस्टेंट ने उनसे रिक्वेस्ट की कि वो और ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम करें। कंटेस्टेंट की बात का मान रखते हुए अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कहा, सर, हमारे मेकअप मैन का नाम दीपक है, मैंने जब भोजपुरी फिल्में की थी, तो ये हमारे साथ थे। आपने अब तक नहीं देखी क्या? इसके बाद कंटेस्टेंट ने कहा, हां, आपकी फिल्म 'गंगा' है लेकिन आप ओटीटी पर भी आइए और भोजपुरी में भी काम कीजिए।ये सुनकर अमिताभ बच्चन थोड़ा कंफ्यूज हो गए और अपने अंदाज में बोले, अरे, वो भोजपुरी वाली ही फिल्म थी। कंटेस्टेंट ने आगे बातचीत में बताया कि उनका बेटा मेगास्टार अमिताभ बच्चन को 'केबीसी अंकल' के नाम से जानता है।

'एमटीवी हसल 5' की इनामी राशि बढ़कर हुई 1 करोड़ रुपए हुई

मुंबई/एजेन्सी

म्यूजिक रियलिटी शो 'एमटीवी हसल' पांचवें सीजन के साथ वापसी करने जा रहा है। इस बार शो को पहले से ज्यादा बड़ा बनाने की तैयारी है। इस बार विजेता राशि को बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए कर दिया गया है। शो के जज बादशाह का कहना है कि यह सिर्फ इनाम की रकम में बढ़ोतरी नहीं है, बल्कि भारतीय हिप-हॉप कल्चर की बढ़ती ताकत और कलाकारों पर बढ़ते भरोसे को दिखाता है। 'हसल' हमेशा से ऐसे कलाकारों को खोजने का मंच रहा है, जिनके पास कहने के लिए अलग कहानी होती है और जो अपनी कला के जरिए पहचान बनाना चाहते हैं। बादशाह ने नए सीजन के बारे में बात करते हुए कहा, ''हसल हमेशा से ऐसे कलाकारों को सामने लाने के लिए रहा है, जिनके पास कुछ वास्तविक कहने के लिए है। हर सीजन में हमने देश के अलग-अलग हिस्सों से शानदार टैलेंट देखा है, जिन्होंने भारतीय हिप-हॉप में अपनी एक जगह बनाई है।''

उन्होंने आगे कहा, इस बार विजेता को मिलने वाली राशि बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए कर दी गई है। यह राशि बताती है कि हिप-हॉप संस्कृति कितनी आगे बढ़ चुकी है। यह इनाम उन कलाकारों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है, जो भारतीय हिप-हॉप के भविष्य को आकार दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इस सीजन की थीम 'अपना होमग्राउंड' है, जो हर कलाकार की शुरुआत, उसकी जगह और उसकी कहानी को सम्मान देती है।

'एमटीवी हसल 5' की थीम 'अपना होमग्राउंड' के जरिए उन जगहों और अनुभवों को दिखाने की कोशिश की जाएगी, जहां से कलाकारों की यात्रा शुरू होती है। शो में देश के अलग-अलग हिस्सों से आने वाले प्रतियोगी निजी कहानियों, संस्कृति और संगीत के अंदाज को मंच पर पेश करेंगे। शो का उद्देश्य भारत में तेजी से बढ़ रहे हिप-हॉप कल्चर की विविधता को सामने लाना है।

मल्लिका शेरावत के साथ नजर आए तेज प्रताप यादव

पटना/एजेन्सी

बिहार की राजनीति में अपने अलग अंदाज और बेबाक बयानों के लिए पहचाने जाने वाले जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव इन दिनों मनोरंजन जगत में अपनी मौजूदगी को लेकर लगातार चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' के जरिए लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा और अब एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर उन्होंने फिर सुर्खियां बटोर ली हैं। इस वीडियो में तेज प्रताप बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत के साथ नजर आ रहे हैं। दोनों को एक साथ देखकर इंटरनेट पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दरअसल, तेज प्रताप यादव ने अपने आधिकारिक एक्स टाइमलाइन पर यह वीडियो साझा किया है। वीडियो में वह अभिनेत्री मल्लिका शेरावत के साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं। दोनों के बीच बातचीत होती नजर आ रही है। वीडियो में तेज प्रताप अपने मोबाइल फोन में मल्लिका शेरावत को कुछ दिखा रहे हैं, वहीं मल्लिका भी पूरे ध्यान से मोबाइल की ओर देखती हैं और बीच-बीच में तेज प्रताप से बातचीत करती दिखाई देती हैं। इस वीडियो को और खास बनाने के लिए इसके बैकग्राउंड में फिल्म 'धुरंधर' का रोमांटिक गाना 'गहरा हुआ' लगाया गया है। गाने के साथ तैयार किया गया यह छोटा वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है।

तेज प्रताप यादव ने वीडियो के साथ यह जानकारी साझा नहीं की है कि उनकी और मल्लिका शेरावत की यह मुलाकात कब और किस मौके पर हुई, लेकिन उन्होंने कैप्शन के जरिए कुछ दिलचस्प सा संकेत जरूर दिया है।उन्होंने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, ''जल्द ही कुछ रोमांचक आने वाला है''वीडियो के सामने आने के बाद कई लोग इसे किसी शूटिंग या कार्यक्रम के दौरान हुई मुलाकात मान रहे हैं, जबकि कुछ लोग इसे 'भोजपुरी बवाल' से जोड़कर भी देख रहे हैं।दरअसल, तेज प्रताप यादव ने रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में हिस्सा लिया है। शो के एक एपिसोड में उन्होंने भोजपुरी फिल्म उद्योग पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फिल्मों में पहले अच्छी और पारिवारिक कहानियां देखने को मिलती थीं, लेकिन अब उनमें अश्लीलता बढ़ गई है। उन्होंने इच्छा जताई थी कि अगर उन्हें कभी मौका मिला तो वह भोजपुरी सिनेमा को उसकी पुरानी पहचान दिलाने की कोशिश करेंगे। 'भोजपुरी बवाल' में तेज प्रताप यादव के साथ भोजपुरी सिनेमा के कई बड़े सितारे भी नजर आ रहे हैं। इनमें पवन सिंह, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी जैसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं।

राजपाल यादव की मुश्किलें बढ़ीं, कर्ज की वसूली के लिए बैंक ने संपत्तियों पर चिपकाया नोटिस

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। चेक बाउंस मामले में कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहे अभिनेता के खिलाफ सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने कर्ज वसूली की प्रक्रिया तेज कर दी है। बैंक ने शाहजहांपुर स्थित राजपाल यादव की दो संपत्तियों को नीलामी के लिए चिह्नित करते हुए वहां नोटिस चस्पा कर दिया है। बैंक का कहना है कि अभिनेता पर करोड़ों रुपए का कर्ज बकाया है, जिसकी वसूली के लिए यह कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की मुंबई शाखा ने शाहजहांपुर में स्थित राजपाल यादव की संपत्तियों पर नीलामी संबंधी नोटिस लगाया है। बैंक रिकॉर्ड के मुताबिक, अभिनेता पर 16 करोड़ 61 लाख 64 हजार रुपए का ऋण बकाया है। बैंक ने कर्ज की वसूली के लिए उनकी

गिरवी रखी गई संपत्तियों को अपने कब्जे में लेकर नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बैंक द्वारा जिन संपत्तियों की नीलामी की जा रही है, उनमें शाहजहांपुर शहर में स्थित एक संपत्ति और गांव में स्थित खेत व मकान शामिल हैं। इन दोनों संपत्तियों का आरक्षित मूल्य बैंक ने 3 करोड़ 19 लाख 26 हजार रुपए तय किया है। बैंक की ओर से जारी प्रक्रिया के अनुसार, इन संपत्तियों की ई-नीलामी 9 सितंबर 2026 को कराई जाएगी। बताया जा रहा है कि राजपाल यादव ने यह ऋण अपनी फिल्म 'अता पता लापता' के निर्माण के लिए लिया था। फिल्म के निर्माण के लिए बैंक से आर्थिक मदद ली गई थी लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी। इसके बाद ऋण की किस्तों का भुगतान समय पर नहीं हो पाया और धीरे-धीरे ब्याज बढ़ता गया। अब यह रकम बढ़कर 16 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गई है।

ऋण लेते समय राजपाल यादव ने अपनी पत्नी राधा यादव और मां गोदावरी यादव की संपत्तियों को भी गारंटर के रूप में गिरवी रखा था। बैंक अब इसी आधार पर संबंधित संपत्तियों पर कार्रवाई कर रहा है। बताया जा रहा है कि शाहजहांपुर के अलावा मुंबई स्थित उनकी कुछ अन्य संपत्तियों को लेकर भी बैंक की वसूली प्रक्रिया चल रही है। बता दें कि इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव को दोषी ठहराते हुए तीन महीने की कैद की सजा सुनाई थी।

इवेंट

मुंबई में प्लेग्राउंड सीजन 5 के प्रमोशनल इवेंट के दौरान तस्वीरें खिंचवाते टीवी कलाकार तेजस्वी प्रकाश, एलविश यादव और आरुष भोला।

आधा समय काम और खाने की चर्चा में बीतता है : रकुल प्रीत सिंह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और निर्माता-अभिनेता जैकी भगनानी की जोड़ी ने अपने रिश्ते को हमेशा निजी रखा है, लेकिन समय-समय पर सोशल मीडिया के जरिए अपनी जिंदगी से जुड़ी खूबसूरत झलकियां भी साझा करते रहते हैं। हाल ही में रकुल ने जैकी के साथ अपने काम और निजी रिश्ते को लेकर एक खास बात साझा की, जिसमें उन्होंने बताया कि पति के साथ काम करना उनके लिए कितना खास और मजेदार अनुभव है। रकुल प्रीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर जैकी भगनानी के साथ कुछ तस्वीरें साझा कीं।

इन तस्वीरों में दोनों के बीच की खास बॉन्डिंग नजर आ रही है। पोस्ट में रकुल ने फैंस द्वारा पूछे जाने वाले उस सवाल का जवाब

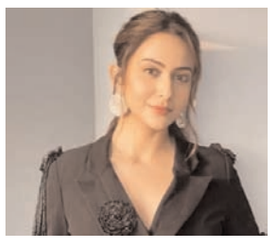

दिया कि पति के साथ काम करना कैसा होता है। रकुल ने अपने कैप्शन में लिखा, ''जब लोग मुझसे पूछते हैं कि साथ काम करने का अनुभव कैसा है, तो इसका जवाब बहुत आसान है। हम दोनों का आधा समय काम को लेकर बातचीत करने में और बाकी समय हंसी-मजाक करने और खाने की चर्चा करने में बीतता है।

मुझे यह अच्छा लगता है, क्योंकि हमारी सोच और तालमेल एक जैसी है। जब दो लोग किसी काम को लेकर एक जैसी एनर्जी और उत्साह रखते हैं तो साथ मिलकर कुछ नया बनाना और भी खास हो जाता है।''

अभिनेत्री ने आगे लिखा, ''साथ मिलकर जिंदगी बनाना अपने आप में एक अलग अनुभव है, लेकिन जब आप दोनों मिलकर ऐसी चीज बनाने की कोशिश करते हैं, जिसे लेकर दोनों उत्साहित हों, तो वह सफर और भी खास बन जाता है।''

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने साल 2021 में अपने रिश्ते का खुलासा किया था। इसके बाद दोनों ने 2024 में गोवा में शादी की थी। उनकी शादी में परिवार के करीबी लोग और खास दोस्त शामिल हुए थे। शादी के बाद भी दोनों अपने-अपने काम में सक्रिय हैं और अक्सर एक-दूसरे को सहयोग करते नजर आते हैं।

स्क्रीनिंग

मुंबई में फिल्म द ग्रेट पंजाब रॉबरी की स्क्रीनिंग के दौरान पति राज कुंद्रा और सास ऊषा रानी कुंद्रा के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी।

मॉडलिंग क्या होती है, ये भी नहीं जानती थीं : तनुश्री चक्रवर्ती

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मों की दुनिया में कई सितारों का सफर किसी प्लानिंग के तहत शुरू नहीं होता। कुछ लोग अचानक मिले मौके को अपनी मेहनत से बड़ी पहचान में बदल देते हैं। बंगाली सिनेमा की अभिनेत्री तनुश्री चक्रवर्ती की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। आज वह अपनी खूबसूरती, अभिनय और अलग अंदाज के लिए जानी जाती हैं, लेकिन कम लोग ही जानते हैं कि जब उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा था, तब उन्हें इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। एक मामूली शुरुआत से तनुश्री ने धीरे-धीरे विज्ञापनों, फिल्मों और फिर राजनीति तक का सफर तय किया। तनुश्री चक्रवर्ती का जन्म 6 अगस्त 1984 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में हुआ था। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई कोलकाता से की। इसके बाद उन्होंने कोलकाता यूनिवर्सिटी से जुड़े बसंती देवी कॉलेज से पॉलिटिकल साइंस की पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई के बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा, लेकिन शुरुआत में उन्हें नहीं पता था कि मॉडलिंग क्या होती है।तनुश्री ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब उन्होंने मॉडलिंग शुरू की, तब उन्हें नहीं पता था कि मॉडलिंग में काम कैसे होता है और इस क्षेत्र की असली दुनिया कैसी है। धीरे-धीरे उन्होंने इस काम को समझा और कई विज्ञापनों में नजर आने लगीं। उनका एक बांग्लादेशी मसाला ब्रांड का विज्ञापन काफी लोकप्रिय हुआ, जिसने उन्हें अलग पहचान दिलाई। यही छोटा सा कदम आगे चलकर उनके फिल्मी करियर की शुरुआत बना।मॉडलिंग के बाद तनुश्री ने बंगाली फिल्मों में कदम रखा। साल 2010 में फिल्म 'बोंधु एसो तुमी' से उन्होंने अभिनय की शुरुआत की।

इसके बाद साल 2011 में आई फिल्म 'उरो चिट्ठी' ने उन्हें दर्शकों के बीच पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और बंगाली सिनेमा की कई चर्चित फिल्मों में काम किया। साल 2012 में आई 'बेडरूम' उनके करियर की अहम फिल्मों में से एक रही। इसके बाद उन्होंने 'ओबिशोप्टो नाइटी', 'विंडो कनेक्शन्स', 'बुनो हांश' और 'खाद' जैसी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए। उनकी एक्टिंग को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों ने काफी पसंद किया।

उन्होंने सिर्फ ग्लैमरस भूमिकाएं ही नहीं कीं, बल्कि अलग तरह के किरदारों के जरिए अपनी अभिनय क्षमता भी दिखाई। तनुश्री चक्रवर्ती ने फिल्मों के साथ-साथ टीवी की दुनिया में भी काम किया। वह जी बांग्ला के लोकप्रिय शो 'दीदी नंबर. 1' में नजर आईं और बाद में कई टीवी प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनीं। उन्होंने ब्यूटी और लाइफस्टाइल शो 'संपूर्ण' की होस्टिंग भी की। इसके अलावा उन्होंने कोलकाता में अपने रेस्टोरेंट बिजनेस की शुरुआत भी की। साल 2021 में तनुश्री ने राजनीति में भी कदम रखा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ज्वाइन की और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में श्यामपुर सीट से चुनाव लड़ा।

'सदगुरु शरणम यात्रा संघ-2.0' की हुई घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन आराधना भवन में खरतरगच्छ संघ के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् बेंगलूरु शाखा द्वारा सदगुरु शरणम यात्रा संघ 2.0 कार्यक्रम की घोषणा की गई। यात्रा प्रस्थान 10 अक्टूबर को होगा एवं वापसी 13 अक्टूबर को होगी। इस यात्रा कार्यक्रम में हैदराबाद के समीपवर्ती श्री माणिक्यस्वामी कुलपाकजी तीर्थ, श्री मेडचल जैन तीर्थ, श्री कारवान जैन दादावाड़ी के दर्शन करने के अलावा हैदराबाद में चातुर्मास हेतु विराजित राष्ट्ररत्न संत खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी एवं गच्छ गणिनी गुरुवर्याश्री सुलोचनाश्रीजी के दर्शन वंदन का भी कार्यक्रम रखा गया है। इस यात्रा के मुख्य लाभार्थी लक्ष्मीदेवी जगदीशचंद्र छाजेड़ परिवार हाला वाले हैं।

मुनिश्री मलयप्रभसागरजी, मुकुलप्रभसागरजी व साध्वी डॉ. प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी की निश्रा में संघ यात्रा के बैनर एवं यात्रा आवेदन पत्र का विमोचन जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बाबूलाल भंसाली, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, खरतरगच्छ युवा परिषद के पूर्व अध्यक्ष पंकज बाफना, अध्यक्ष नीलेश मेहता, जिनकुशलसूरी मंडल के अध्यक्ष ललित डाकलिया, महिला परिषद् केंद्रीय समिति की उपाध्यक्ष आरती जैन, अध्यक्ष पवनी बाफना, मंत्री नंदा बाफना आदि ने किया। इस यात्रा कार्यक्रम के संयोजक पंकज बाफना, मनीष गुलेच्छा, सोनू छाजेड़ व प्रमोद गुलेच्छा हैं। कार्यक्रम का संचालन खरतरगच्छ संघ के मंत्री राजेन्द्र गुलेच्छा ने किया।

'रीलस्टार्स' प्रतियोगिता' के माध्यम से जीतो महिलाओं ने दिए रचनात्मक और सामाजिक संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज़ विंग ने अपने मेंबरशिप कनेक्ट वर्टिकल प्रोग्राम के अंतर्गत रीलस्टार्स नामक एक अनूठी रील निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसका उद्देश्य मनोरंजन के साथ साथ सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना था। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने प्रतिभागियों के उत्साह, समन्वय और टीम भावना की सराहना करते हुए कहा कि सदस्यता केवल संख्या बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि रिश्तों को मजबूत बनाने, यादगार अनुभव साझा करने और एक परिवार की तरह साथ साथ आगे बढ़ने का अवसर है। प्रतियोगिता में रीलों का मूल्यांकन रचनात्मकता, मौलिकता, अभिनय, प्रस्तुति, टीमवर्क, तकनीकी गुणवत्ता, सामाजिक संदेश की प्रासंगिकता, दर्शकों पर प्रभाव तथा समग्र प्रस्तुति के आधार पर किया गया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि सभी दस टीमों के नाम हिंदी सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्रियों, मधुबाला, श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित, रेखा, हेमा मालिनी, जयाप्रदा, आशा पारेख, शर्मिला टैगोर, मीना कुमारी और जया भादुड़ी के नाम पर रखे गए। प्रतिभागियों ने योग एवं स्वास्थ्य का महत्व, पर्यावरण संरक्षण, पारिवारिक मूल्य, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक उत्तरदायित्व, चालीस वर्ष की आयु के बाद जीवन का उत्सव तथा पिता-पुत्री के भावनात्मक रिश्ते जैसे विषयों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

आशा पारेख समूह ने योग के महत्व पर आधारित अपनी प्रेरणादायक प्रस्तुति के लिए प्रथम स्थान प्राप्त किया। जयाप्रदा समूह ने सेलिब्रेटिंग दि फोर्टीज़ विषय पर प्रस्तुति देकर प्रथम उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। रेखा समूह ने पिता-पुत्री के स्नेहपूर्ण रिश्ते पर भावनात्मक प्रस्तुति देकर द्वितीय उपविजेता का स्थान हासिल किया। सभी विजेता टीमों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। इस मौके पर लेडीज विंग व संबंधित संस्थाओं की पदाधिकारी उपस्थित थीं।

शिकायत नहीं, स्वीकार भाव से ही मिलता है समाधान : डॉ. समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में बेंगलूरु चातुर्मास समिति के तत्वावधान में आयोजित 'संजीवनी चातुर्मास-2026' में गुरुवार को प्रवचन सभा का शुभारंभ जयवंतमुनिजी के गुरु भक्ति गीत से हुआ। डॉ. समकित मुनिजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए नई दिशा-नया जीवन' विषय के अंतर्गत कहा कि आज का मनुष्य परिस्थितियों से अधिक अपनी शिकायतों से दुखी है। यदि जीवन में सुख-दुःख, लाभ-हानि और अनुकूलता-प्रतिकूलता को ईश्वर का शुभ शगुन मानकर स्वीकार किया जाए, तो जीवन सहज, संतुलित और आनंदमय बन सकता है। उन्होंने कहा, जो मिला है उसे शगुन समझकर स्वीकारें। शिकायत से कभी समाधान नहीं मिलता। यदि भाग्य में कठिनाइयाँ लिखी हैं तो उनसे स्वयं को बदनसीब नहीं बनने देना चाहिए।परिस्थितियों को अवसर में बदलना ही सफल जीवन की पहचान है। जीवन में देने की 'संस्कृति' को सर्वोच्च बताते हुए कहा कि मनुष्य की महानता उसके संग्रह से नहीं, बल्कि उसके समर्पण से मापी जाती है।

उन्होंने कहा, मालिक बनने के लिए चौकीदार बनो, लेकिन मालिक बनने के बाद चौकीदार मत बनना अर्थात सफलता मिलने तक कठोर परिश्रम और अनुशासन रखें, लेकिन सफलता के बाद सेवा, सहयोग और उदारता का भाव कभी समाप्त नहीं होना चाहिए।

एकलव्य के जीवन प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सच्चा साधक प्रतिकूल परिस्थितियों को भी अपनी साधना का साधन बना लेता है। सुसंस्कारों की शक्ति से अभिशाप भी वरदान में परिवर्तित हो सकता है। आत्मशुद्धि पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जैसे हम प्रतिदिन घर का कचरा बाहर निकालते हैं, वैसे ही मन से क्रोध, मान, माया, लोभ और अन्य विकारों का कचरा भी निकालना आवश्यक है। निर्मल हृदय में ही धर्म का वास्तविक वास होता है। इस अवसर पर समकित मुनिजी के सान्निध्य में 23 अगस्त तक आयोजित होने वाली 18 दिवसीय पुण्य कलश आराधना' का शुभारंभ हुआ।

प्रवचन के पश्चात गुरुदेव ने तप आराधकों की विधिवत आराधना सम्पन्न करवाई। सभा में द्रौपदी के प्रेरक जीवन प्रसंग की व्याख्या भी की गई। समिति के पदाधिकारी प्रकाशचंद बेताला, अशोककुमार रांका, रमेश सिसोदिया, जंबूकुमार दुगड़, गुलाबचंद पगारिया, पन्नालाल कोठारी, के. अशोक रांका सहित अन्य ने सभी तप आराधकों का सम्मान किया। संचालन करते हुए नेमीचंद दलाल ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

सरल हृदय में होता है धर्म का निवास : साध्वीश्री मंगलज्योति

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने गुरुवार को अपने प्रवचन में कहा कि जीवन में सरल बनो। सरलता का गुण अपनाएं, यह आपके जीवन विकास का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता के क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए भी आत्मा में सरलता का गुण होना आवश्यक है। सरल हृदय में ही धर्म का निवास होता है। सरल हृदय में ही धर्म ठहरता है। सीधे बनो और सिद्ध बनो। माया, अहंकार का त्याग करें। मायावी नहीं बनना है।

मायावी व्यक्ति आगे भव में नारी रूप में उत्पन्न होता है। अहंकार ज्ञान प्राप्ति में बाधक तत्व है। उन्होंने कहा कि क्षमावान व्यक्ति ही दूसरों को क्षमा कर सकता है। जीवन में क्षमा और सरलता का गुण व्यक्ति के व्यक्तित्व को लोकप्रिय, प्रभावशाली बनाता है।

प्रारंभ में साध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने कहा कि आत्मा अनंत शक्तिमान है। हमारे अन्दर यह शक्ति है कि मैं आत्मा को कर्मों से अलग कर दूं। ऐसा विश्वास और दृढ़ता साधनाशील साधक आत्मा के मन में होना चाहिए। देह विनाशी और हमारी आत्मा अजर अमर अविनाशी है। पुरुषार्थ द्वारा आत्मकल्याण संभव है। साध्वी ऋजुप्रज्ञाजी ने युवाओं को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री छगनमल लुणावत ने किया। सहमंत्री नरेंद्र बेताला ने सबको धन्यवाद दिया।

दूसरों की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म : संतश्री अभिजीतमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने अपने प्रवचन में सेवा परमोधर्मः' का संदेश

देते हुए कहा कि इस तन से जितनी सेवा हो सके, दीन-हीन की सेवा करनी चाहिए तथा घर में अपने माता-पिता की सेवा अवश्य करनी चाहिए। इस जीवन में दूसरों की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है। यह सेवा कार्य पुण्यकार्य है, जीवन में सुख, शांति, आनंद देने वाला है। धन का उपयोग दान देने में कीजिए। रविमुनिजी ने नव तत्व के ज्ञान, जीवन में धर्म के प्रति लगाव जागृति का संदेश दिया।

जीवों के कल्याण के लिए है परमात्मा की जिनवाणी : साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि संसार में रह रहे जीवों के कल्याण के लिए परमात्मा की जिनवाणी है। जिनवाणी रूपी नाव में बैठने के लिए हमें एकाग्र चित्त से आराधना में जुड़ना है। जिनवाणी (आगम) और जिनबिम्ब का आलम्बन लेकर हमें संसार सागर से पार निकलना है। तीन उपमाओं से सुशोभित परमात्मा को मनोयोग, वचनयोग और कायायोग से उत्कृष्ट वन्दन करते हुए जिनभद्रगणिसूरीजी ने ध्यान शतक ग्रंथ की रचना की। मन स्थिर और चंचल दो प्रकार के होते हैं। मन की कमजोरी इंसान को कमजोर कर देती है। जब व्यक्ति का मन एक अध्यवसाय में स्थिर चित्त है वही ध्यान की स्थिति है। अगर तन में व्याधि हो तो हमारा मन स्थिर नहीं हो पाता है। अगर मन स्वच्छंद होगा तो पानी की ढलान के जैसे चंचल चित्त इधर उधर हो जाता है। भावना, अनुप्रेक्षा और चिंता यह चंचल मन की तीन परिणिति है।

मृत्यु का भय, आदमी को पाप करने से रोकता है : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में ज्ञानमुनिजी ने कहा कि जो आदमी मौत को याद करता है, वह आदमी कभी भी ग़लत कम नहीं करता है। जिसको मृत्यु का भय है वह आदमी पाप करने की नहीं सोचता। मरने से सब डरते है, जो महान साधक है वही मृत्यु से नहीं डरता। चींटी से लेकर हाथी तक सब बचने का प्रयास करते हैं। ये चाहे घर में रहो या बाहर रहो भगवान को नहीं भूलना चाहिए। सदा मृत्यु को याद करो हर समय प्रभु के गुण गाओ। भगवान से डरो, उनके पास सबका लेखा जोखा है। गुरु से डरा, तर्क-वितर्क मत करो। समाज से डरना चाहिए। व्यक्ति बड़ा नहीं होता, संघ बड़ा होता है। संसार के प्रति निवृत होना ही पौषध है।

लोकेशमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि संसार में ज्ञान ही तुम्हारा मित्र है। सुई में अगर धागा पिरोया जाए तो वह सुई कभी गुम नहीं होती, इसी प्रकार जीवन में ज्ञान कभी भी कम नहीं होता। वह व्यक्ति सही मार्ग पर चलता है, भटकता नहीं।

लड़ाई झगड़े से बुद्धि क्षीण होती है। व्यक्ति कर्म को भोगता नहीं, बल्कि कर्म को काटना पड़ता है, बिना ज्ञान के कुछ संभव नहीं है। ज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ते रहना चाहिए। ज्ञान जरूरी है। ज्ञान, दर्शन, चरित्र ये तीनो स्वयं में होना चाहिए।

सेवा अहंकार को समाप्त कर व्यक्तित्व का निर्माण करती है : संतश्री वीरमुनि

बेंगलूरु। स्थानीय ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर, तुबरहल्ली स्थित परिसर में आयोजित दैनिक प्रैक्टिकल समाधान श्रृंखला के दौरान विभिन्न बहुराष्ट्रीय एवं कॉर्पोरेट कंपनियों में कार्यरत युवाओं ने सार्वजनिक सड़कों,

फुटपाथों एवं विहार मार्ग की साफ सफाई की तथा सामाजिक उत्तरदायित्व निभाया। मुनि संघ के विहार को सुगम एवं स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से युवाओं ने कई घंटों तक श्रमदान किया। इस अवसर पर मुनिश्री वीरसागरजी ने कहा कि सच्ची सेवा का उद्देश्य केवल मार्ग को स्वच्छ बनाना नहीं, बल्कि मन को अहंकार से मुक्त करना है। जब समाज का शिक्षित और सफल वर्ग स्वयं झाड़ उठाकर सार्वजनिक स्थानों की सफाई करता है, तब वह केवल धूल नहीं हटाता, बल्कि अपने भीतर बैठे अहंकार का भी विसर्जन करता है। यही सेवा व्यक्ति को विनम्रता, आत्मिक शांति और आत्मविकास की ओर ले जाती है। उन्होंने कहा कि सेवा व्यक्ति को झुकना सिखाती है और जो झुकना सीख जाता है, वही जीवन में वास्तविक ऊँचाइयों को प्राप्त करता है। जैन परंपरा में मुनियों के विहार मार्ग को स्वच्छ एवं निर्बाध बनाना केवल व्यवस्था नहीं, बल्कि गुरु भक्ति और विनय की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है। मार्ग से अवरोध हटाना, अपने भीतर के अहंकार और विकारों को हटाने का भी प्रतीक है।

नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रभुदयाल जोशी का अभिनंदन करते हुए समाज के सदस्यगण एवं चित्र के इंसर्ट में अध्यक्ष।

सिखवाल ब्राह्मण समाज बेंगलूरु के अध्यक्ष बने प्रभुदयाल जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अल्सूर स्थित उदासीन मठ में सिखवाल समाज के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति श्रृंगी ऋषि जयंती महोत्सव धूम धाम से मनाया गया। समाज के वरिष्ठ एवं पूर्व अध्यक्ष गोवर्धन जोशी ने बताया कि महोत्सव के पश्चात् वार्षिक मीटिंग बुलाई गई जिसमें समाज के वरिष्ठ जनो की उपस्थिति में सर्व सम्मति से अध्यक्ष का दायित्व पण्डित प्रभु दयाल जोशी को दिया गया। उनके साथ उपाध्यक्ष का दायित्व सुनील तिवारी को तथा कोषाध्यक्ष पद का कार्यभार प्रकाश चन्द्र व्यास को सौंपा गया। नव मनोनीत अध्यक्ष प्रभुदयाल जोशी एक सामान्य परिवार से मूलतः कबराडीया भीलवाड़ा के राजस्थान के निवासी हैं तथा बेंगलूरु में कृष्ण ज्योतिष कार्यालय के संचालक हैं। वे विनम्र और सेवाभावी सामाजिक कार्यकर्ता हैं। जोशी ने उपस्थितजन को विश्वास दिलाया कि वे अपने दायित्व को पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। साथ ही समाज की एकता, सेवा व प्रगति के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम के समापन पर आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। इस आयोजन में श्याम लाल तिवारी, रामगोपाल तिवारी, अशोक पांडिया, गजानन्द शर्मा सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आऊवा महिला मंडल की बैठक में स्वतंत्रता संग्राम पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आऊवा महिला मंडल की मासिक बैठक अध्यक्ष मंजू चंडालिया की अध्यक्षता में चामराजपेट स्थित पोरवाल निवास पर हुई। बैठक में सावन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रायसोनी ने संचालन किया। अध्यक्ष मंजू चंडालिया ने स्वतंत्रता दिवस के बारे में बताते हुए कहा कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का एक प्रमुख केंद्र आऊवा था। आउवा के ठाकुर कुशल सिंह चम्पावत के नेतृत्व में यहाँ के क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश सत्ता और जोधपुर रियासत की संयुक्त सेना को धूल चटा दी थी। इस ऐतिहासिक संघर्ष को 'कालों और गोरों का युद्ध' भी कहा जाता है। संतोष रायसोनी ने ध्यान करवाया। अंत में सभी ने मिलकर संकल्प लिया कि हम अपने जीवन में अधिक से अधिक संयम, सद्भावना और आत्मशुद्धि को अपनाएँगे तथा दूसरों के धार्मिक प्रयासों का सम्मान और उत्साहवर्धन करेंगे। हर्षा चोपड़ा ने सभी को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत

बेंगलूरु के गांधीनगर विधायक दिनेश गुंडूराव ने गुरुवार को अक्कीपेट, बलेपेट एवं चिकपेट में चल रहे विकास कार्यों का जायज़ा लिया तथा क्षेत्रवासियों से मुलाकात कर विकास कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान कर्नाटक होजरी एंड गारमेंट्स एसोशिएशन के अध्यक्ष प्रकाश भोजानी, पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता एवं संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा ने उनसे मुलाकात कर उनका स्वागत किया एवं धन्यवाद दिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**